दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 276 जयपुर, शनिवार, 14 सितंबर, 2024 । भाद्रपद, शुक्ल पक्ष-एकादशी, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

दिल्ली के सीएम केजरीवाल हुए जमानत पर रिहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति केस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर आज फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने उनकी जमानत याचिका पर फैसला सुनाया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 26 जून को सीबीआई ने अरेस्ट किया था। इसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए जमानत याचिका दायर की थी। 5 सितंबर को पिछली सुनवाई में कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। *(पेज 7 भी देखें)*

7 बार विधायक रहे सुंदरलाल काका का निधन

जयपुर। प्रदेश भाजपा के वयोवृद्ध नेता सुंदरलाल काका का निधन हो गया। उन्होंने गुरुवार देर रात एसएमएस अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका मेडिकल आईसीयू में इलाज चल रहा था। काका झुंझुनूं के सूरजगढ़ और पिलानी विधानसभा क्षेत्र से 7 बार विधायक रहे। वे 2 बार कैबिनेट मंत्री, 1 बार राज्यमंत्री व एक बार संसदीय सचिव भी बने। उन्होंने सूरजगढ़ से कांग्रेस की टिकट पर 1972 में पहला चुनाव लड़ा था और पहली बार सूरजगढ़ से विधायक बने थे। काका के निधन पर सीएम भजनलाल शर्मा समेत कई नेताओं ने दुख जताया है।

सीएम व वसुंधरा समेत राज्य से पांच स्टार प्रचारक

जयपुर। हरियाणा में 5 अक्टूबर को 90 विधानसभा सीटों के चुनाव होने हैं। इसके लिए बीजेपी ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, जिसमें सीएम भजनलाल शर्मा व वसुंधरा राजे समेत राजस्थान के कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं। स्टार प्रचारकों की सूची में इनके अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां, डिप्टी सीएम दिया कुमारी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को भी शामिल किया है। *(पेज 7 भी देखें)*

रीट पेपर लीक मामला: ईडी ने जब्त की 26.59 लाख रुपए की संपत्ति और नकदी

1.25 करोड़ में रीट पेपर का सौदा करने वाले पाराशर-मीणा की प्रॉपर्टी कुर्क

बेधड़क | जयपुर

रीट पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी प्रदीप पाराशर और रामकृपाल मीणा की प्रॉपर्टी को ईडी ने कुर्क कर दिया। आरोपी रामकृपाल मीणा और प्रदीप पाराशर के पास कुल करीब 26.59 लाख रुपए चल-अचल संपत्ति मिली है। ईडी ने आरोपियों के बैंक अकाउंट से मिले करीब 11 लाख रुपए भी जब्त किए हैं। करीब 2 महीने पहले ईडी ने प्रदीप पाराशर को गिरफ्तार किया था। इन दोनों के साथ जिन तीन लोगों ने अभ्यर्थियों को लीक पेपर पढ़वाया था, उनके भी खातों से नकदी जब्त की है।

सूत्रों ने बताया कि ईडी द्वारा संपत्ति कुर्क का आदेश 28 अगस्त को जारी किया गया। इसकी जानकारी एसओजी ने शुक्रवार को दी।

रीट पेपर लीक के मुख्य आरोपी रामकृपाल मीणा और प्रदीप पाराशर के चार बैंक अकाउंट मिले हैं। चारों बैंक अकाउंट में कुल 10 लाख 89 हजार 259 रुपए जमा मिले। इसके अलावा ईडी ने लीक पेपर पढ़ाने वाले आरोपी रवि कुमार मीणा के खाते से 8.12 लाख, पृथ्वीराज के खाते से 4.10 लाख और रामकृपाल मीणा के खाते से 1.80 लाख रुपए जब्त किए हैं।

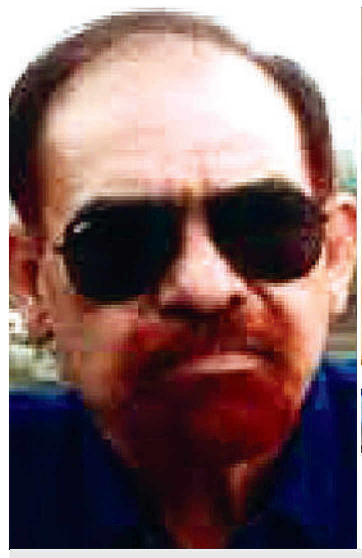

प्रदीप पाराशर

रामकृपाल मीणा

शिक्षा संकुल से हुआ था लीक

एसओजी ने खुलासा किया था कि जयपुर शिक्षा संकुल के स्ट्रॉन्ग रूम से पेपर लीक हुआ था। इसी के बाद से राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष रहे डीपी जारौली और उनके दोस्त प्रदीप पाराशर दोनों शक के घेरे में आए थे। एसओजी की जांच में खुलासा हुआ था कि J-सीरीज का पेपर 1.25 करोड़ रुपए में बेचा गया। पेपर कोचिंग संचालकों और नकल गिरोह के मार्फत अलग-अलग सेंटरों तक पहुंचा।

50 सेंटर पर पहुंचाया था पेपर

मुख्य आरोपी प्रदीप पाराशर को रीट का जयपुर जिला को-ऑर्डिनेटर बनाया गया था। उसकी भूमिका संकुल के स्ट्रॉन्ग रूम से पेपर लीक करने में सामने आई थी। एसओजी ने प्रदीप पाराशर को जनवरी 2022 को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि प्रदीप पाराशर के जरिए ही रामकृपाल मीणा को पर्चा मिला था। जिसने अपने नेटवर्क के जरिए कई अभ्यर्थियों को पर्चा पढ़वाया था। जांच में सामने आया था कि पेपर जयपुर, जालोर, सिरोही, टोंक, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, दौसा, करौली सहित कई जगहों पर पहुंचाया गया। नकल गिरोह ने परीक्षा से पहले 50 सेंटर पर पेपर पहुंचाया था।

अब तक 131 आरोपी हो चुके अरेस्ट: रीट पेपर लीक मामले में साल-2021 में गंगापुर सिटी थाने में प्रकरण दर्ज हुआ था। प्रकरण की जांच एसओजी की ओर से की जा रही है। एसओजी की ओर से कार्रवाई कर रीट पेपर लीक मामले में अब तक मीणा और पाराशर सहित 131 आरोपियों को अरेस्ट किया जा चुका है। प्रदीप पाराशर को 2011 और 2012 में आरटेट में को-ऑर्डिनेटर बनाया गया था। तब बोर्ड के चेयरमैन मंत्री सुभाष गर्ग थे। प्रदीप पाराशर को मंत्री सुभाष गर्ग और बोर्ड अध्यक्ष डीपी जारौली का करीबी माना जाता है।

राइजिंग राजस्थान समिट 2024: CM के जापान दौरे का आखिरी दिन

मैं भारत से आया हूं, जहां से भगवान बुद्ध का संदेश जापान पहुंचा: शर्मा

- आखिरी दिन विभिन्न कंपनी प्रमुखों के साथ मुलाकात की
- 5 साल में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य
- जापानी इन्वेस्टमेंट जोन से 26,000 रोजगार

बेधड़क | टोक्यो/जयपुर

प्रदेश की राजधानी जयपुर में दिसंबर में होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के लिए जापानी उद्योगपतियों को आमत्रंण के लिए टोक्यो के आसोका में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मैं भारत की उस धरती से आया हूं, जहां से भगवान बुद्ध का संदेश जापान जैसे देश तक पहुंचा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जापान दौरे का शुक्रवार को आखिरी दिन था। इस दौरान सीएम ने कहा कि जापान के उद्योगपति हमेशा भारत में निवेश के लिए तत्पर रहते हैं और हमारी सरकार उद्योगों का खुले दिल से स्वागत कर रही है। हमें आने वाले 5 सालों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाना है।

सीएम ने अपने संबोधन में बताया कि प्रदेश में नीमराणा जापानी इन्वेस्टमेंट जोन में 50 से अधिक जापानी कंपनियों ने लगभग 8 बिलियन यूएसडी का निवेश कर 26 हजार से अधिक लोगों को रोजगार दिया है। सीएम ने कहा हमारी सरकार निवेशकों के मुद्दे सुलझाने और राज्य में 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। नीमराणा इन्वेस्टमेंट जोन की सफलता से स्पष्ट है कि हम आगे भी राजस्थान और जापान की साझेदारी को और मजबूत करने का काम करते रहेंगे।

हमारी सरकार ला रही कई महत्वपूर्ण नीतियां

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार कई महत्वपूर्ण राजस्थान एक्सपोर्ट प्रोमोशन नीति, राजस्थान 'एक जिला एक उत्पाद' नीति, राजस्थान डाटा सेंटर नीति, एमएसएमई नीतियां ला रही है। राजस्थान देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का भी काम कर रहा है। राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण (इएसडीएम), ऑटोमोटिव जैसे सेक्टर्स का भी एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनिवेश पोर्टल की पहल की है, जो 14 विभागों की 123 सेवाओं को एकीकृत करता है और समयबद्ध तरीके से निवेशकों को मंजूरी प्रदान करता है। राजस्थान एक आदर्श निवेश गंतव्य है, जहां कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, प्राकृतिक ससाधनों की प्रचुरता, बाजार की निकटता, नीतिगत ढांचा, प्रभावी और सक्रिय सरकारी मशीनरी जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सीएम भजनलाल ने कहा कि सभी निवेशकों को राजस्थान की अपार संभावनाओं में निवेश करने के लिए और राजस्थान की अर्थव्यवस्था से जुड़ने के लिए आमंत्रित करता हूं, क्योंकि राजस्थान हर क्षेत्र में आगे है, राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है।

उद्योगपतियों से की बातचीत: प्रवासियों ने किया स्वागत

जापान दौरे के आखिरी दिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को यहां की नामचीन कंपनियो के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा प्रदेश में निवेश का आग्रह किया। इस दौरान सीएम के साथ गए अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने भी 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के लिए विभिन्न उद्योगपतियों से मुलाकात की। इधर, जापान दौरे के अंतिम दिन शुक्रवार को मुख्यमंत्री शर्मा का ओसाका में प्रवासी राजस्थानी समुदाय ने स्वागत किया तथा विभिन्न मुद्दों पर बात की और सीएम का आभार प्रकट किया।

9 दिसंबर से होगा समिट

बता दें कि 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।

जगन्नाथ यूनिवर्सिटी में फूड पॉइजनिंग

बिगड़ी करीब 100 छात्र-छात्राओं की तबीयत... कुछ रेफर

- फूड सेफ्टी टीम ने की मौके पर जांच
- ब्लॉक सीएमएचओ टीम भी अलर्ट मोड पर

बेधड़क | जयपुर/चाकसू

क्षेत्र में स्थित जगन्नाथ यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को फूड पॉइजनिंग से करीब 100 से अधिक छात्र-छात्राओं की तबीयत खराब हो गई। ज्यादातर छात्र - छात्राओं में उल्टी-दस्त व पेट दर्द के मामले बताए जा रहे हैं। फूड पॉइजनिंग से यूनिवर्सिटी कैंपस स्थित हॉस्टल में रह रहे विद्यार्थी पीड़ित हुए और जिन्होंने हॉस्टल के मेस में खाना खाया था। एक साथ इतने विद्यार्थियों के फूड पॉइजनिंग से पीड़ित होने से यूनिवर्सिटी प्रशासन व चिकित्सा महकमे में अफरा- तफरी मच गई। सभी छात्र-छात्राओं का उपचार तुरंत शुरू कर दिया है। इस मामले यूनिवर्सिटी प्रबंधन का कहना है कि बारिश के चलते दूषित पानी से छात्र-छात्राओं में इस तरह की शिकायत पैदा हुई है।

निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएं मिली

दूसरी ओर, जगन्नाथ यूनिवर्सिटी की मेस में फूड पॉइजनिंग के संबंध में जानकारी मिलते ही खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन और अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा पंकज ओझा के सुपरविजन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने जगन्नाथ यूनिवर्सिटी में निरीक्षण एवं खाद्य नमूनीकरण की कार्रवाई की गई। जांच के दौरान खाद्य सामग्री को बिना भंडारगृह के ही खुले में स्टोर किया जाना पाया गया। इसके अलावा काजू, राइस आदि में कीड़े पाए गए। मेस परिसर का स्ट्रक्चर खाद्य निर्माण के अनुकूल नहीं पाया गया। जांच में कई तरह की अनियमितताएं मिली। जांच टीम ने खाद्य पदार्थों के सैम्पल जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाए हैं।

यह कहा चिकित्सकों ने

उपजिला अस्पताल पीएमओ डॉ. संजय कुमार मीणा के अनुसार पिछले 2-3 दिन से जगन्नाथ यूनिवर्सिटी से फूड पॉइजनिंग जैसे लक्षण के मरीज आ रहे हैं। चाकसू ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि वे डॉक्टरों की टीम के साथ जगन्नाथ यूनिवर्सिटी में पहुंचे और हॉस्टल में मौजूद छात्र-छात्राओं की मेडिकल टीम ने स्क्रीनिंग की। इससे प्रथम दृष्टया लगता है कि मेस में खाना खाने से तबीयत बिगड़ी है। बहरहाल, सवाईमानसिंह अस्पताल, जयपुर और चाकसू के उपजिला अस्पताल 1-1 और महात्मा गांधी अस्पताल 3 रेफर किए गए हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मीडिया से मुखातिब

सरकार रोजगार बढ़ाने के वादों पर कायम... लगातार प्रयासरत: राठौड़

- निवेश को लेकर किए जा रहे सीएम के प्रयास सराहनीय और उत्साहवर्धक
- राहुल गांधी को घेरने की बीजेपी को जरूरत नहीं, वो तो अपनों से ही घिरे हुए हैं
- कोर्ट ने अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने पर कभी नहीं लगाई रोक

बेधड़क | जयपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजस्थान में निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयास सराहनीय और उत्साहवर्धक हैं। पहले महाराष्ट्र गए और लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश का एमओयू साइन करके आए। अब मुख्यमंत्री की जापान यात्रा से भी राजस्थान में अच्छे निवेश के संकेत मिल रहे हैं। जापान के बड़े समूह और निवेशकों ने सीएम को आश्वस्त किया है तो सीएम शर्मा ने भी राजस्थान में तमाम संसाधन मुहैया करवाने का विश्वास दिलाया है। राठौड़ ने कहा कि शनिवार को जापान से लौट रहे मुख्यमंत्री शर्मा के स्वागत करने के लिए हमारी पूरी टीम तैयार है।

राठौड़ ने प्रदेश में चल रही बुलडोजर राजनीति पर कहा कि कोर्ट ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए कभी रोक नहीं लगाई, अतिक्रमण हटाना प्रशासन की प्राथमिकता है और रहेगी।

राहुल गांधी पर साधा निशाना

कांग्रेस के आरोपों पर राठौड़ ने पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी को घेरने की बीजेपी को जरूरत नहीं, वे तो अपनों से ही घिरे हैं। राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेसी नेताओं की देशभर में निंदा और आलोचना हो रही है। राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत के नेतृत्व और आरक्षण जैसे विषयों पर अनर्गल बयान जारी करेंगे, तो देश में उनके वक्तव्य की निंदा तो होगी। भाजपा अपने परिवार को सुदृढ़ कर रही है। इससे वे भयभीत हो रहे हैं। राहुल गांधी ऐसा मौका ही क्यों देते हैं कि उनके बयानों पर सवाल खड़े किए जाएं। राहुल गांधी मौका ही नहीं दें, तो हम बात ही नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस को त्याग और तेज का प्रतीक भगवा रंग से परहेज क्यों है?

सीएम शर्मा के स्वागत की तैयारियां

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को जयपुर लौट रहे है। शर्मा का भारतीय जनता पार्टी की ओर से स्वागत किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जयपुर एयरपोर्ट पर प्रातः 11.00 बजे एवं भाजपा प्रदेश कार्यालय में अपराह्न 12 बजे प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल और भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता भव्य स्वागत करेंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्वागत के लिए शुक्रवार को तैयारियां जोरों से जारी है। भव्य स्वागत की तैयारियों का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सहित भाजपा पदाधिकारियों ने अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जरूरी खबर

टोडाभीम SDM के बाल खींचे, दो अफसरों पर गाज

जयपुर। टोडाभीम की एसडीएम और ग्रामीणों के बीच जंग का वीडियो सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। ये वीडियो गुरुवार का बताया जा रहा है। इसमें ओरेंज कलर सूट में दिख रही महिला SDM टोडाभीम बताई जा रही है, जो कि एक किसान की खातेदारी भूमि में बने मकान को तोड़ने के लिए आई हुई है। इससे नाराज ग्रामीण महिला एसडीएम से उलझ गई। एसडीएम ने भी अपना आपा खो दिया। एसडीएम और महिला के बीच काफी देर तक हाथापाई चलती रही।

आरएफएसडीएल और नेबकोंस के बीच एमओयू

जयपुर। राजस्थान फाइनेंसियल सर्विसेज डिलीवरी लिमिटेड (आरएफएसडीएल) एवं नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रा. लि. (नेबकोंस) के बीच शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। इस एमओयू का उद्देश्य सरकार के विकसित राजस्थान के विजन को साकार करने एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास में सहयोग प्रदान करना है। अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त विभाग अखिल अरोड़ा ने एमओयू को राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने दी हिंदी दिवस पर शुभकामनाएं

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हिंदी दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। बागडे ने कहा कि हिंदी भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति है। हिंदी भाषा देश के स्वाभिमान की प्रतीक है। विश्वभर में फैले भारतवासियों को यह अपनत्व की डोर से जोड़ती है। उन्होंने हिंदी को तकनीक से जोड़ते हुए आधुनिक विश्व भाषा बनाए जाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हिंदी भाषा सदियों से हम भारतवासियों के विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं प्रभावी माध्यम रही है। देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोने के साथ ही दुनिया के कोने-कोने में बसे करोड़ों भारतीयों को मातृभूमि से जोड़े रखने में हिंदी भाषा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केंद्रीय कानून मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर किया पलटवार

राहुल गांधी को सुधारनी चाहिए अपनी आदत: अर्जुनराम

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शुक्रवार को दौसा जिले के दौरे पर रहे। यहां उन्होंने निहालपुरा गांव में बाबा रामदेव के मेले में शिरकत कर भजन गाए। इसके बाद मेहंदीपुर बालाजी दरबार के दर्शन किए। उन्होंने विशेष पूजा अर्चना कर खुशहाली की कामना की।

उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा विदेश यात्रा के दौरान दिए गए बयान पर कहा कि उनकी आजकल एक आदत हो गई है कि वे विदेश में जाकर हमारे देश की आलोचना करते हैं। यह ठीक आदत नहीं है। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद पर बैठे हुए हैं। वह विदेश जाकर कहते हैं कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं था। यदि ऐसा ही था तो फिर वो चुनाव कैसे जीत गए। कांग्रेस पार्टी की 99 सीट कैसे आ गई। समाजवादी पार्टी के इतने लोग कैसे जीत गए। उनको समझ ही नहीं आ रहा है कि क्या बोल रहे हैं। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि वो खुद ही अपनी आलोचना कर रहे हैं। राहुल गांधी देश को बदनाम करना बंद करें अन्यथा जनता माफ नहीं करेगी।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान दिए गए बयानों पर सियासी विवाद के बाद केंद्रीय मंत्री ने पलटवार किया है। केंद्रीय मेघवाल ने कहा कि भाजपा ने ऐसा कभी नहीं कहा। हम तो कह रहे हैं कि राहुल गांधी की आदत सुधरनी चाहिए, क्योंकि वह नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद पर बैठे हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी समझना चाहिए कि जो व्यक्ति जिम्मेदार पदों पर बैठा हुआ हो उसे विदेश में भारत विरोधी बातें नहीं करनी चाहिए।

मेघवाल में राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग हमारे देश के विरोध में अमेरिका की संसद में बोलते हैं, वो उनके साथ फोटो ले रहे व मीटिंग कर हैं। यदि वो ऐसा करेंगे तो हम भी आलोचना करते रहेंगे।

'गलतफहमी में जी रहे हैं पायलट'

प्रदेश के उपचुनाव के बारे में अर्जुन राम मेघवाल ने सचिन पायलट द्वारा जोधपुर में शुक्रवार को दिए गए बयान पर कहा कि 'मुझे लगता है सचिन पायलट गलतफहमी में जी रहे हैं। मैं खुद हरियाणा में काम कर रहा हूं और हमारी वहां तीसरी बार सरकार बनेगी। रही बात जम्मू कश्मीर की तो सचिन पायलट यह गलतफहमी मत पालें की हम लोग हार मान चुके हैं।

गहलोत ने यह दिया था बयान

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक दिन पहले बयान देते हुए कहा था कि बीजेपी वाले राहुल गांधी को मारने की बात करते हैं। भाजपा की तरफ से 15-20 सालों तक बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी अब देश की आशा, अपेक्षा का केंद्र बिंदु बन गए हैं। इससे भाजपा इतनी हताश और आक्रामक हो गई है कि देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा के नेता खुलेआम राहुल गांधी की हत्या करने की बातें कर रहे हैं। ऐसे बयानों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुप्पी हैरान करने वाली है। यह दिखाता है कि अपनी सत्ता कायम रखने के लिए भाजपा किस हद तक जा सकती है।

उपराष्ट्रपति ने इशारों में राहुल गांधी पर साधा निशाना, बोले...

भटके हुए कुछ लोग देश को कर रहे हैं बदनाम: धनखड़

बेधड़क | जयपुर

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सेंट्रल यूनिवर्सिटी किशनगढ़ में विकसित भारत 2047 में उच्च शिक्षा भूमिका पर संवाद करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं है। ये नीति राष्ट्र के विकास के लिए मिली है, हमें इसे लागू करना चाहिए। हमारे लक्ष्य हमारा राष्ट्रवाद हैं। हमारे भारत को कोई सुई भी लगाएगा तो 140 करोड़ को दर्द होगा। उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी के बयान पर हमला बोलते हुए कहा कि कुछ भटके हुए लोग भारतीय संविधान की शपथ के बाद भी राष्ट्रवाद को दूर रख रहे हैं। भारत मां को लहूलुहान करना चाहते हैं, जबकि हमारा लक्ष्य राष्ट्रवाद है। दुखद विषय है हममें से कुछ भटके हुए लोग हैं। संवैधानिक पद पर रहते हुए भारत मां को लहूलुहान करना चाहते हैं। मेरा आह्वान है भारतीय देश से बाहर कदम रखता है तो वह देश के राजदूत के रूप में अपनी पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि हमारी विचारधारा अलग हो सकती है। हम अलग अलग संगठन से हो सकते हैं, लेकिन हमारा राष्ट्रवाद एक होना चाहिए। हमें देश के लिए हमेशा एक होना चाहिए। शिक्षा ही है जो देश को बदल रहा है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

विकसित भारत के लिए शिक्षा जरूरी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि 2047 तक एक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की दिशा में देश एक मैराथन मार्च पर है और इस यात्रा में उच्च शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि आप इस मैराथन में ड्राइवर की सीट पर हैं और इसके प्रमुख हितधारक हैं। ऐसे में आपकी भागीदारी अनिवार्य है। विकसित भारत के इस यज्ञ में हर भारतीय को अपनी आहुति देनी होगी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा किताबों से परे है और यह समाज में परिवर्तन लाने वाला सबसे प्रभावशाली परिवर्तनकारी तंत्र है। शिक्षा समानता लाती है। शिक्षा का मतलब सिर्फ डिग्री प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा के प्रसार के बिना हम 2047 के विकसित भारत की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने आग्रह किया कि हर दिन सीखने का दिन होना चाहिए। हर दिन हमें औपचारिक शिक्षा से परे कुछ जोड़ना चाहिए और आपको परस्पर संपर्क पैदा करना चाहिए।

अपने कर्तव्यों पर ध्यान देना भी जरूरी

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री जैसे बड़े दिग्गज इसी समाज के बीच से आए हैं। उच्च शिक्षा का एक अलग ही महत्व होता है। हर दिन कुछ ना कुछ सीखने का होता है। शिक्षा ही आज के सामाजिक परिदृश्य को बदल रहा है। शिक्षा के जरिये ही बदलाव संभव है। शिक्षा ही समानता लाती है। बिना शिक्षा के प्रचार के विकसित भारत मुमकिन नहीं है। रोजाना सीखने के लिए एक नया दिन है। हम अधिकारों की तो बात करते हैं लेकिन कर्तव्यों पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझते।

टोकने पर आएगा बदलाव

उप राष्ट्रपति ने कहा कि कितनी बहनों ने अपने भाई खोये हैं, कितनी माताओं ने बेटे खोए हैं। तब जाकर हमें आजादी मिली है। आज भी बॉर्डर पर सेना के जवान खड़े हैं, इसलिए हम चैन से सो रहे हैं। कुछ लोग देश के बाहर जाकर संविधान की शपथ भूल गए, हम उन्हें समझाएंगे। हमें उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए, कभी ना कभी तो बदलाव आएगा। ये बदलाव कब आएगा जब हम उन लोगों को गलत करने पर टोकेंगे।

किशनगढ़ एयरपोर्ट पर स्वागत

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को एक दिवसीय किशनगढ़ यात्रा पर रहे। इंडियन एयरफोर्स के विशेष विमान से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक ओम प्रकाश, जिला कलेक्टर लोक बंधु, पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नाई, उद्यमी अशोक पाटनी ने स्वागत किया।

मां के नाम पर पेड़ लगाएं

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम सबको पता है कि धरती के अलावा हमारे पास रहने की कोई दूसरी जगह है ही नहीं। हमें इसे बनाए रखना है। जलवायु परिवर्तन को शामिल करना है। यहां मैंने प्रवेश करते ही एक पेड़ लगाया। प्रधानमंत्री का आह्वान था 'मां के नाम एक पेड़'। मैं हर विद्यार्थी से अपील करता हूं कि आपके परिसर का भौगोलिक आयाम बहुत बड़ा है। हर कोई एक पेड़ लगाए। उन्होंने कहा कि अवसरों की संख्या बढ़ती जा रही है और युवा इसके बारे में जागरूक नहीं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि उपलब्ध अवसरों को देखें। उन्होंने इसरो का उदाहरण दिया, जहां कोई भी आईआईएम या आईआईटी से नहीं है लेकिन फिर भी इसरो की सफलता हमारी सोच से कहीं परे है।

धौलपुर के दौरे पर रहीं पूर्व मुख्यमंत्री

वसुंधरा ने बाढ़ प्रभावितों को बांटे खाने के पैकेट

बेधड़क | जयपुर

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शुक्रवार को धौलपुर पहुंचीं। राजे ने बाड़ी उपखंड इलाके में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर पीड़ितों का दुख-दर्द साझा किया। राजे ने बाढ़ आपदा से जूझ रहे लोगों से मुलाकात कर राज्य सरकार से मदद दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को खाने के पैकेट भी बांटे। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे शुक्रवार को अचानक अपने गृह जिले धौलपुर पहुंचीं। उन्होंने बाड़ी उपखंड क्षेत्र के गांव कसौटी खेड़ा, उर्मिला सागर, सहेड़ी एवं कल्याण पुर में बाढ़ आपदा से जूझ रहे लोगों से मुलाकात कर हालातों का जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने बारिश से हुए नुकसान से राजे को अवगत कराया। ग्रामीणों ने फसल खराबे सहित अन्य समस्याओं से पूर्व सीएम को अवगत कराते हुए राहत दिलाने की अपील की।

वसुंधरा राजे ने ग्रामीणों की समस्या को सुनकर प्रशासन और सरकार से हरसंभव मदद दिलाने का भरोसा दिलाया।

कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनें भारत: बागडे

बेधड़क | जयपुर

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने वर्षा जल संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य करने के साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों में इस तरह के शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया है। इससे भारत कृषि क्षेत्र में विश्वभर में अग्रणी बन सके। उन्होंने कहा कि उत्पादन, ग्रेडिंग, पैकिंग के काम घर में ही करने की शिक्षा प्रदान कर किसान हित में अधिकाधिक कदम उठाए जाएं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रसार शिक्षा के अंतर्गत किसानों के लिए क्रियान्वित केंद्र व राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं का अधिकाधिक प्रसार किए जाने पर भी जोर दिया ताकि आम किसान को प्रत्यक्ष उनका लाभ सके। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शुक्रवार को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के 12वें स्थापना दिवस पर संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय के डेयरी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के भवन का भी लोकार्पण किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि यह समय वर्षा का है।

इस बार सभी स्थानों पर अच्छी वर्षा हो रही है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए सभी मिलकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर बार अच्छी वर्षा होगी, यह भरोसा नहीं किया जा सकता। इसलिए हो रही वर्षा के पानी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए।

राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट

राजस्थान में जल्दी ही लॉन्च करेंगे नई पर्यटन नीति: दिया कुमारी

बेधड़क | जयपुर

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग और फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शुक्रवार को राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (आरडीटीएम) के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि यह हर्ष का विषय है कि पर्यटन विभाग, राजस्थान और फेडरेशन ऑफ़ हॉस्पिटलिटी एंड टूरिज्म ऑफ़ राजस्थान (एफएचआरटी) के सहयोग से 4th राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (RDTM) 2024 का आयोजन किया जा रहा है। दिया कुमारी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पर्यटन के लिए विजन बहुत ही दूरदर्शी और उत्कृष्ट है। उन्हीं के प्रयास से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की जयपुर यात्रा हुई और जयपुर विश्व के पर्यटन मानचित्र पर छा गया।

उन्होंने कहा कि हम राजस्थान में जल्दी ही नई पर्यटन नीति को लांच करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने दिसंबर में आयोजित हो रहे राइजिंग राजस्थान में यहां पर्यटन के क्षेत्र में अधिक से अधिक इंवेस्टमेंट करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान में पर्यटन से संबंधित व्यावसायिक गतिविधियों के लिए ईज ऑफ बिजनेस को बढ़ावा देंगे। यहां पर्यटन के लिए सड़कों, रेल, हवाई सुविधाओं का विकास करेंगे। जिन कार्यों का हम शिलान्यास करेंगे उन कार्यों का हम ही उद्घाटन करेंगे, इसी पर लक्षित होकर काम किए जा रहे हैं।

पर्यटकों को सुरक्षा और सुविधा दोनों करवाएंगे उपलब्ध

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि सौ करोड़ की लागत से महाराणा प्रताप सर्किट बनाया जा रहा है। खाटूश्यामजी तथा कई मंदिरों का पर्यटन की दृष्टि से विकास किया जा रहा है। हम पर्यटकों को सुरक्षा और सुविधा दोनों उपलब्ध करवाएंगे। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियों को यूनेस्को की वर्ड हेरिटेज साइट में शामिल करने की दिशा में भी काम किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अपने इतिहास और वैभवशाली स्थापत्य कला, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों के कारण आकर्षण का केंद्र रहा है। यहां की धरोहर संरक्षण के साथ पर्यटन की आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धरोहर के मूल स्वरूप से खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए। डिप्टी सीएम ने भीम सिंह, रणवीर सिंह और ललित के पंवार का पयर्टन के क्षेत्र में योगदान के लिए भी आभार जताया।

राजस्थान का पर्यटन समृद्ध: जैन

शासन सचिव, पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग रवि जैन ने कहा कि उप मुख्यमंत्री का पर्यटन में बहुत गहन और शानदार विजन है। इसके आधार पर राजस्थान में पर्यटन का उज्जवल भविष्य नजर आ रहा है। पर्यटन की दृष्टि से राजस्थान एक नहीं अनेक विशेषताओं का गढ़ है। राजस्थान का पर्यटन समृद्ध है। पर्यटन स्थलों के आसपास सुविधाओं के विकास से ही पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान दुनिया का सिरमौर बन सकता है। देश-विदेश से राजस्थान आने वाले व्यवसायियों, पर्यटकों और नियोक्ताओं को सुविधाएं प्रदान की जाए इसी दिशा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है और आरडीटीएम में पर्यटन को बढ़ावा देने के सभी प्रयास साकार होंगे।

जरूरी खबर

आज चांदी की खाट पर विराजेंगे शालिग्राम

जयपुर। गोविंददेव जी मंदिर में शनिवार को जल झूलनी एकादशी झूलन महोत्सव के रूप में मनाई जाएगी। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि ठाकुर जी का सुबह मंगला झांकी के बाद पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। उसके बाद नई लाल रंग का नटवर वेश और विशेष श्रृंगार धारण कराए जाएंगे। मंदिर में ग्वाल झांकी के बाद सुबह 4:45 से 5:35 तक जलझूलनी पूजन होगा। इस दौरान ठाकुर श्रीजी के दर्शन पट बंद रहेंगे। महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुर श्री शालिग्रामजी भगवान (नारायण जी) को विशेष छोटी चांदी के खाट पर विराजमान कर मंदिर के दक्षिण पश्चिमी चौक तुलसी मंच पर ले जाया जाएगा। तुलसी मंच की चार परिक्रमा कराकर फिर से ठाकुर श्री शालिग्राम जी को खाट पर विराजमान किया जाएगा।

प्रोग्रामर भर्ती परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा निकाली गई प्रोग्रामर भर्ती परीक्षा में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों ने परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग शुरू कर दी है। अभ्यर्थियों का कहना है कि एक भर्ती परीक्षा की तैयारी के लिए सरकार कुछ युवाओं को 9 महीने तो कुछ को महज साढ़े तीन महीने का वक्त दे रही है, जो पूरी तरह गलत है। ऐसे में 27 अक्टूबर प्रस्तावित भर्ती परीक्षा को रद्द कर परीक्षा की संशोधित तारीख जारी की जाए। प्रोग्रामर भर्ती परीक्षा में आवेदन करने वाले डीडी शर्मा ने कहा कि सरकार ने इस साल जनवरी में 216 पदों पर प्रोग्रामर भर्ती निकली थी, जिसकी भर्ती परीक्षा की तारीख 27 अक्टूबर निर्धारित की गई थी। ऐसे में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को तैयारी के लिए 9 महीने का वक्त दिया गया था।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

आईपीडी टावर एवं शिवदासपुरा में सैटेलाइट अस्पताल का किया दौरा

ड्रेनेज सिस्टम सही नहीं होने से निर्माण में देरी, JDC हुईं नाराज

बेधड़क | जयपुर/चाकसू

जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त आनंदी ने शिवदासपुरा में रिंग रोड के पास निर्माणाधीन 50 बेड के सैटेलाइट अस्पताल में अपर्याप्त ड्रेनेज से भवन निर्माण में विलम्ब पर नाराजगी जताई। उन्होंने इस भवन व अन्य सभी आगामी भवनों में समुचित ड्रेनेज, वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर व भवन में आवश्यकतानुसार एसटीपी निर्माण करने के निर्देश दिए। सेटेलाइट अस्पताल भवन के लिए समुचित पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जेडीसी आनंदी शुक्रवार को निर्माणाधीन प्रमुख परियोजना आईपीडी टावर एवं शिवदासपुरा में सैटेलाइट अस्पताल के दौरे पर थीं। इस दौरान उन्होंने जेएलएन मार्ग, जवाहर सर्किल व टोंक रोड इत्यादि पर चल रहे सड़क मरम्मतीकरण के कार्यों का मौका निरीक्षण किया गया।

सड़कों को तय समय में सुधारने के निर्देश

जेडीसी ने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कें जेएलएन मार्ग, जवाहर सर्किल व टोंक रोड इत्यादि पर चल रहे कोल्ड मिक्स से पेच रिपेयर कार्य का औचक निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं सड़कों को शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए। जेडीसी ने दीवाली व राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 के मद्देनजर सभी सड़कों को समयसीमा में सुधारने के निर्देश दिए। सांगानेर से हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के सामने की सड़क की चौड़ाई बढ़ाने में आ रही कठिनाईयों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। इससे टोंक रोड से महल रोड को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण सड़क को शीघ्र पूर्ण किया जा सके। जेडीसी ने प्रोजेक्ट से संबंधित अभियंताओं को फील्ड में रहकर निरंतर मॉनिटरिंग के साथ कार्य प्राथमिकता और गुणवत्तापूर्ण रूप से तय समय सीमा में पूर्ण करवाने के सख्त निर्देश दिए गए।

आईपीडी टावर में गुणवत्तापूर्ण सामग्री लगाने के निर्देश

जेडीसी ने दौरे के दौरान आईपीडी टावर व कॉर्डियो भवन की प्रगति के बारे में जानकारी ली। आईपीडी टावर के विभिन्न चिकित्सीय तलों के कार्य के लिए प्रस्तावित इस्तेमाल व कार्य में प्रयुक्त होने वाली निर्माण सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद जेडीसी ने आईपीडी टावर में गुणवत्तापूर्ण सामग्री लगाने के निर्देश दिए। जेडीसी द्वारा कार्य की प्रगति में आ रही बाधाओं व मुद्दों, जिन पर निर्णय बाकी है, के बारे में जाना व इस के लिए तत्काल कार्रवाई कर संबंधित से सम्पर्क करने के आवश्यक निर्देश दिए। कार्डियो भवन के कार्य को अक्टूबर-2024 तक पूर्ण करने एवं प्रोजेक्ट के विभिन्न कार्यों के लिए काम में ली जा रही निर्माण सामग्री गुणवत्तापूर्ण लगाने के निर्देश दिए।

ट्रैक्टर माउन्टेड से सफाई अभियान की शुरुआत, निगम आयुक्त ने देर रात किया निरीक्षण

रात में मशीन उतरी सड़कें साफ करने मदद के लिए साथ लगे 15 कर्मचारी

बेधड़क | जयपुर

हेरिटेज निगम की ओर से गुरुवार रात से नाइट स्विपिंग के लिए ट्रैक्टर माउन्टेड से सफाई अभियान की शुरुआत की गई। अब शहर के मुख्य मार्गो पर ट्रैक्टर माउन्टेड से रात में आठ घंटे रोड और डिवाइडर की सफाई की जाएगी। इसके अलावा डिवाइडर में पौधों के बीच कचरा नहीं फंसे। इसके लिए मशीन के साथ-साथ 15 सफाईकर्मी भी सफाई अभियान में जुटेंगे।

निगम के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक के सुपर विजन में 15 सफाईकर्मी डिवाइडर और सड़क पर पड़े पत्थर और ठोस कचरे को भी तुरंत हटाएंगे। गुरुवार देर रात को हेरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने ट्रैक्टर माउन्टेड से की जा रही सफाई व्यवस्था का निरीक्षण भी किया। आयुक्त अभिषेक सुराणा ने चांदपोल, जनाना अस्पताल इलाके में स्विपिंग मशीन की कार्य प्रणाली का निरीक्षण किया।

इस दौरान आयुक्त सुराणा के साथ में हेरिटेज निगम के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवन कुमार वर्मा, गैराज शाखा उपायुक्त बलराम मीणा, मुकेश कुमार सहित अन्य निगम अधिकारी भी मौजूद रहे।

एक मशीन से आठ घंटे में 25 किमी तक की जाएगी सफाई

गैराज शाखा उपायुक्त बलराम मीणा ने बताया कि शुरुआती तौर पर एक स्विपिंग मशीन से सफाई कराई जा रही है। जल्द ही शहर की सड़कों पर 13 ट्रैक्टर माउन्टेड स्विपिंग मशीन से सफाई अभियान चलाया जाएगा। एक मशीन आठ घंटे में करीब 25 किमी तक के रोड डिवाइडर को साफ करेगी।

राजस्थान जल महोत्सव आज

राजस्थान में जल संरक्षण को बढ़ावा देने और आमजन के बीच जल के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से जल महोत्सव 2024 का आयोजन 14 सितंबर को आमेर मावठे पर किया जाएगा। महोत्सव का आयोजन हेरिटेज नगर निगम द्वारा किया जा रहा है। जल झूलनी एकादशी पर सुबह 9:30 बजे से महोत्सव शुरू होगा। हेरिटेज नगर निगम ने इस आयोजन के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

प्रतिनिधिमंडल चेयरमैन डिस्कॉम से मिला

तकनीकी कर्मचारी 17 को करेंगे विद्युत भवन का घेराव

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष पृथ्वीराज गुर्जर के नेतृत्व में चेयरमैन डिस्कॉम और जयपुर की एमडी आरती डोगरा से विद्युत भवन में उनके चैंबर में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने गुलदस्ता और ठाकुर गोविंद देव जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। उसके बाद कर्मचारियों की लंबित चल रही पुरानी मांगों में मुख्य मांग इंटर डिस्काउंट और जयपुर डिस्कॉम की तर्ज पर अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम में भी डेट ऑफ जॉइनिंग के बारे में नव नियुक्त सीएमडी को अवगत कराया। बता दें कि राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन अपनी मांगों को लेकर 17 सितंबर को विद्युत भवन का घेराव करेगी। प्रतिनिधि मंडल में पृथ्वीराज गुर्जर प्रदेश अध्यक्ष, शंकर लाल सैनी प्रदेश महामंत्री, प्रदीप शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, सतवीर यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, कैलाश चंद सैनी प्रदेश प्रचार मंत्री, विष्णु कुमार गौतम जयपुर शहर जिलाध्यक्ष, देवेंद्र नागर जयपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष,जगदीश रेवाड़ी जिला महामंत्री जयपुर, राजेन्द्र गुर्जर जिला महामंत्री बाड़मेर, अंतर सिंह जिला प्रवक्ता जालौर, मुकेश बैरवा उपखंड कोषाध्यक्ष सेड़वा मौजूद रहे।

जयपुर में 15 को होगा कर्मचारी महासंघ का चुनाव

41 संगठनों के पदाधिकारी चुनेंगे प्रदेश अध्यक्ष

बेधड़क | जयपुर

41 संगठनों के पदाधिकारी मतदान के जरिए अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ प्रदेश के अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। इसके लिए 15 सितंबर 2024 को जयपुर में चुनाव होंगे। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में महासंघ के वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र राना ने बताया कि कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष का दो वर्षीय कार्यकाल पूरा होने पर निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किया गया है। निर्वाचन समिति के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सियाराम शर्मा होंगे। राजेंद्र राना ने बताया कि 15 सितंबर 2024 को जयपुर में सुबह 11 बजे से मनोचिकित्सा केंद्र सेठी कॉलोनी के ऑडिटोरियम में संवैधानिक निर्वाचन संपन्न होगा, जिसमे जारी अंतिम मतदाता सूची में राज्य के विभिन्न विभागों के 41 राज्य स्तरीय संगठनों के प्रदेशाध्यक्ष, महामंत्री और तृतीय सदस्य आगामी दो वर्ष के लिए महासंघ का प्रदेशाध्यक्ष चुनेंगे। चुनाव में संगठनों के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ राज्य भर के महासंघ जिलाध्यक्ष, जिलामंत्री और जिला संयोजको के साथ सभी संभागीय संयोजक भी निर्वाचन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

लोगों में हड़कंप, वन विभाग ने रेस्क्यू करके ओदी रामसागर में छोड़ा

आमेर सागर से निकल भैरव मंदिर पहुंचा मगरमच्छ

बेधड़क | जयपुर

आमेर में सागर बांध से निकलकर एक मगरमच्छ के खेड़ी गेट स्थित हर्षनाथ भैरव मंदिर आ जाने से लोगों में हड़कंप मच गया। मगरमच्छ परिसर में एक कार के नीचे आ बैठा था। स्थानीय लोगों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। मगरमच्छ का रेस्क्यू होने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। क्षेत्रीय वन अधिकारी राजेंद्र जाखड़ ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि आमेर सागर बांध के पास खेडी गेट स्थित हर्षनाथ भैरव मंदिर में मगरमच्छ आ गया है। मगरमच्छ को रेस्क्यू करने का प्रयास किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ का रेस्क्यू करके नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क स्थित ओदी रामसागर में रिलीज कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सागर बांध पर भी काफी संख्या में पर्यटकों की आवाजाही रहती है। वो तो समय रहते मगरमच्छ का रेस्क्यू कर लिया गया नहीं तो वह किसी को भी घायल कर सकता था। स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन की ओर से सागर बांध पर सुरक्षा के इंतजाम किए जाए। बांध पर लोगों की काफी आवाजाही रहने के कारण किसी भी प्रकार का हादसा होने की भी आशंका बनी हुई है। बांध में किसी के गिरने का भी डर रहता है। आमेर के सागर स्थित हर्षनाथ भैरव मंदिर में दर्शन करने पहुंचे ओमप्रकाश ने बताया कि आज सुबह हम मंदिर गए। तब कार के नीचे कुछ हलचल लगी। उसे देखकर श्वान भोंकने लगे। झुककर कार के नीचे देखा तो मगरमच्छ बैठा था।

लोकदेवता तेजाजी और रामदेवजी के लगे मेले

तेजाजी को दी जहरीले जीव-जंतुओं से रक्षा करने की अर्जी

बेधड़क | जयपुर

तेजा दशमी पर शुक्रवार को लोक देवता तेजाजी के मंदिरों और धाम पर मेला लगा, वहीं रामदेवजी की जयंती पर पूजा अर्चना की गई। घरों में बनाए पकवान का तेजाजी को भोग लगाकर जहरीले जीव-जंतुओं से रक्षा करने की प्रार्थना की गई। जवाहर नगर में गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली। सेवक दीपक जाट ने बताया कि टीला नंबर 7, जवाहर नगर से तेजाजी महाराज की जोत के साथ कलश यात्रा तेजाजी मंदिर मुकेश मुकेश नगर पहुंची। इसमें 501 महिलाओं ने कलश यात्रा में हिस्सा लिया। यात्रा के बाद भोग लगाकर भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया। मुकेश नगर तेजाजी मंदिर में भी तेजाजी का मेला लगा, जिसमें भक्तों ने दर्शन किए।

कहीं बिंदौरी निकाली, कहीं पर सजाई झांकी

न्यू सांगानेर रोड वीटी रोड स्थित वीर तेजाजी मंदिर में श्रद्धालुओं ने ढोलक की थाप पर तेजाजी को रिझाया। यहां आसपास की जगहों से बड़ी संख्या में सुबह से रात तक भक्तों का जमावड़ा नजर आया। कुछ जगहों पर बिंदौरी भी निकाली गई। नारियल, पंचमेवा का प्रसाद चढ़ाया। आमेर स्थित जाजोलाई की तालाई के तेजाजी मंदिर में कार्यक्रम हुआ। रंगबिरंगे फूलों से श्रृंगार कर झांकी सजाई गई। तेजाजी को खीर, पूड़ी का भोग लगाया। लूनियावास स्थित वीर तेजाजी के मंदिर में खीर, मालपुए सहित अन्य व्यंजनों का भोग लगाया।

रामदेव मंदिरों में ध्वजारोहण के बाद भोग आरती

नाहरी का नाका स्थित बाबा रामदेव मंदिर में पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद श्रृंगार झांकी और ध्वजारोहण के बाद भोग आरती की। विशेष सजावट के साथ शाम को आरती हुई। अंत में भंडारा हुआ। अंबाबाड़ी, टैगोर स्कूल के पास स्थित रामदेव मंदिर में बाबा को पंच मेवे का भोग लगाया गया। पत्रकार कॉलोनी के पास स्थित बाबा रामदेव और तेजाजी के मंदिर में मेला भरा। वीकेआई रोड नंबर नौ, बतीस दुकान स्थित लुहार बस्ती में बाबा रामदेव के मंदिर के सामने भजन-कीर्तन हुआ।

जरूरी खबर

डिग्गी कल्याण जी के मंदिर पर गिरी आकाशीय बिजली

टोंक। टोंक के मालपुरा में लोक देवता श्री डिग्गी कल्याण के मंदिर पर शुक्रवार शाम को आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली गिरने मंदिर में लगे उपकरण जल गए, लेकिन गनिमत रही की इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के वक्त मंदिर में 25-30 श्रद्धालु भी मौजूद थे। बिजली गिरने के कारण मंदिर में लगे कैमरे, एलईडी, वायर पंखे सहित कई उपकरण खराब हो गए। बिजली संभवतया मंदिर के गुंबद पर गिरी। उस समय भोग का प्रसादी वितरण का आखिरी समय चल रह था। बिजली गिरकर अंदर मंदिर में प्रवेश कर जाती तो जनहानि भी हो सकती थी।

चाकसू: टीबी की दवा खत्म, मरीज परेशान

चाकसू। चाकसू के राजकीय उपजिला अस्पताल के सरकारी केंद्र पर टीबी की दवा न मिलने से मरीजों की जान संकट में है। मरीज दवा के लिए परेशान हो रहे हैं। जबकि टीबी के रोगी को एक निश्चित दवा का कोर्स देना पड़ता है। जब जाकर उसे बीमारी से छुटकारा मिल पाता है, लेकिन मरीजों को नियमित दवा नहीं मिलने से उन पर संकट मंडराता नजर आ रहा हैं। उपजिला अस्पताल के प्रभारी पीएमओ डॉ. संजय कुमार मीणा का कहना- चाकसू अस्पताल हीं नहीं राज्य में सब जगह दवा की उपलब्धता कम है और इसकी आपूर्ति के लिए उच्चाधिकारियों से आग्रह किया हुआ है।

हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने शहर में घुमाया पैदल

सांचौर। सांचोर पुलिस ने एक लाख रुपए के ईनामी आरोपी को शहर में पैदल घुमाया गया। आरोपी को पैदल घुमाने के दौरान पुलिस जाब्ता भी साथ रहा। आरोपी भजनलाल बिश्नोई पुनासा को हथकड़ी पहनाए जब शहर में घुमाया गया तो बाजार के लोग देखते रह गए। एसपी हरिशंकर ने बताया कि आमजन को भयमुक्त करने के लिए आरोपी को पैदल बाजार में घुमाया गया। अपराधियों से डरने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि समय रहते घटना की जानकारी पुलिस तक पहुंचानी चाहिए ताकि आरोपियों की गिरफ्तारी हो सके। एसपी ने बताया कि आरोपी पर 20 से ज्यादा मामले दर्ज है। पुलिस को 6 साल से इसकी तलाश थी।

चाकसू में तालाब में डूबा एक युवक, भीलवाड़ा तालाब में तैरता मिला महिला का शव

भीलवाड़ा: नाडी में डूबने से 2 भाइयों समेत 3 बच्चों की मौत

बेधड़क | भीलवाड़ा

प्रदेश में भारी बरसात से नदी-तालाब पानी से ओवरफ्लो हो गए हैं। शुक्रवार को जिले के गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के हुरडा कस्बे के पास क्रिकेट खेलने गए तीन बच्चों की पानी से भरी नाड़ी में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और तीनों के शवों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला।

शवों को गुलाबपुरा सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया। तीनों शव के पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप गए दिए गए हैं। गुलाबपुरा थाना प्रभारी पूरणमल ने बताया कि थाना क्षेत्र के हुरडा कस्बे के निकट अंबेडकर छात्रावास के पास तीन स्कूली बच्चे अपने साथियों के साथ क्रिकेट खेलने गए थे। खेलने के बाद तीनों अंबेडकर छात्रावास के पास ही बरसाती नाड़ी में नहाने लगे। इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण डूबने से हेमेंद्र और लोकेंद्र दो सगे भाइयों सहित प्रिंस की मौके पर ही मौत हो गई।

एक ही घर के बुझे 2 चिराग, पसरा मातम

चना पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पंहुचे व ग्रामीणों की मदद से तीनों बच्चों के शवों को नाड़ी से बाहर निकाल कर गुलाबपुरा सामुदायिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां से तीनों बच्चों के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपे दिए गए। नाडी में डूबने से तीन बच्चों की मौत के मामले में हेमंन्द्र व लोकेंद्र दोनों सगे भाई हैं। ऐसे में एक परिवार में दो भाइयों की मौत के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

तालाब में महिला की डेडबॉडी मिली

भीलवाड़ा में तालाब में महिला की लाश मिली। पास से गुजर रहे लोगों ने लाश देख पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। महिला की पहचान नहीं हो सकी है। उसके हाथ पर रमजान लिखा हुआ है। पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मामला जिले के रायला थाना क्षेत्र का है। यहां लांबिया कला के पास हड्डी फैक्ट्री की पुलिया के नजदीक तालाब में महिला की लाश नजर आई। रायला थाना प्रभारी बच्छ राज ने बताया- लांबिया कला के सरपंच परमेश्वर ने फोन पर बताया कि तालाब में एक महिला की लाश है। मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। शाहपुरा एडिशनल एसपी चंचल मिश्रा, सीओ रमेश तिवारी और एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंचे। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पाई है।

पैर फिसलने से तालाब में गिरा युवक

चाकसू इलाके के गणेशपुरा गांव में बने तालाब में एक युवक पैर फिसलने से डूब गया। तालाब में डूबने से युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आस पास के ग्रामीणों के सहयोग से पानी से युवक का शव बाहर निकाला और शव को मोर्चरी में रखवाया। पुलिस थाना एएसआई मनमोहन ने बताया कि मृतक दिनेश कुमार बुनकर गणेशपुरा गांव का रहने वाला था। दिनेश कुमार तालाब के किनारे के पास बकरियां चरा रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह तालाब में गिर गया।

तेजा दशमी पर भरे मेले, जगह-जगह निकली पदयात्राएं

मंदिरों में उमड़े भक्त, नागौर में उपराष्ट्रपति ने की पूजा-अर्चना

बेधड़क | नागौर

प्रदेशभर में शुक्रवार को तेजा दशमी धूमधाम से मनाई गई। मंदिरों में तेजाजी के दर्शनों के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। जगह-जगह पदयात्राएं भी निकाली गईं। मंदिरों के बाहर मेले भी लोगों से आबाद दिखाई दिए। इस मौके पर खरनाल में शुक्रवार को तेजाजी महाराज का भव्य मेला भरा। इस मेले में बड़ी संख्या में लोग पदयात्रा कर पहुंचे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने परिवार सहित खरनाल में तेजाजी के दर्शन किए। वहीं बीजेपी की प्रदेश उपाध्यक्ष व नागौर से लोकसभा की प्रत्याशी रही ज्योति मिर्धा सहित नागौर बीजेपी के तमाम छोटे बड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भी नागौर से खरनाल 21 किलोमीटर की पैदल यात्रा की। उन्होंने खरनाल पहुंचकर तेजाजी के दर्शन किए। इस दौरान ज्योति मिर्धा ने कहा कि मैं खरनाल में तेजाजी के दर्शन कर बहुत खुश हूं।

अखिल भारतीय वीर तेजाजी जन्मस्थली संस्थान के अध्यक्ष सुखराम खुड़खुड़िया ने बताया कि शुक्रवार सुबह से मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। सुबह तेजाजी की आरती हुई और इसके साथ ही मुख्य मेले का आगाज हो गया। मेले में राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और मध्यप्रदेश समेत देश के विभिन्न हिस्सों से तेजाजी के खरनाल पहुंचकर सत्यवादी तेजाजी महाराज के दर्शन किए। वहीं अजमेर से 40 किलोमीटर और किशनगढ़ से 12 किलोमीटर दूर किशनगढ़-हनुमानगढ़ मेगा हाईवे पर सुरसुरा गांव है। यहां से 20 से 25 किलोमीटर दूरी पर पनेर में लोक देवता वीर तेजाजी का सुसराल है और सुरसुरा से 5।3 किलोमीटर मीटर दूर त्यौद गांव में वीर तेजाजी का ननिहाल है। सुरसुरा गांव वीर तेजाजी की निर्वाण स्थली के रूप में देशभर में विख्यात है। यहां पर वीर तेजा दशमी से 15 दिन पहले से यहां मेले जैसा माहौल रहता है।

■ BJP की प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा ने की 21 किमी तक पैदल यात्रा

उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार नागौर जिले के खरनाल के दौरे पर रहे। वे भारतीय वायुसेना के विशेष हैलीकॉप्टर से तेजा स्थली खरनाल हैलीपेड पहुंचे। पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी इस दौरान उनके साथ मौजूद रहीं। यहां जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उनकी अगवानी की और स्वागत किया। हैलीपेड से उपराष्ट्रपति लोक देवता वीर तेजाजी के मंदिर पहुंचे और विश्व प्रसिद्ध वीर तेजा जी के मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारी ने उन्हें पूजा कराई। उपराष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर खरनाल के तेजाजी मंदिर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

मंदिरों में सजा बाबा का दरबार

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर में शुक्रवार को लोकदेवता बाबा रामदेव का मेला भरा। इस दौरान शहर के सूरतगढ़ रोड स्थित बाबा रामदेव मंदिर में हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। यहां सुबह से शुरू हुआ भक्तों के पहुंचने का क्रम शाम बाद तक अनवरत जारी रहा। मुख्य मंदिर से कुछ दूरी पर सेवादारों ने श्रद्धालुओं को छोटे-छोटे ग्रुपों में मुख्य मंदिर तक प्रवेश करवाया। यहां प्रसाद अर्पित करने के लिए अलग सेवादारों की व्यवस्था थी। बड़ी संख्या में ग्रामीण अंचल से आए लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

शोभायात्रा में गूंजे तेजाजी के जयकारे

भीलवाड़ा। तेजा दशमी के अवसर पर भीलवाड़ा में जाट समाज द्वारा आज विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके तहत भीलवाड़ा शहर के हरणी महादेव मंदिर परिसर में सर्व समाज की ओर एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें यूडीएच मंत्री जाबर सिंह खर्रा भी शामिल हुए। कार्यक्रम के बाद यूडीएच मंत्री जाबर सिंह ने तेजाजी महाराज की पूजा-अर्चना कर तेजा ध्वज दिखाकर शोभायात्रा और वाहन रैली को रवाना किया है। शोभायात्रा हरणी महादेव परिसर से शुरू होकर भीलवाड़ा शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए तेजाजी चौक पहुंचकर संपन्न हुई। शोभा यात्रा में टू व्हीलर, फोर व्हीलर और ट्रेक्टर पर सवार युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया है। शोभायात्रा का भीलवाड़ा शहर में जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया और पूरे मार्ग में तेजाजी के जयकारे गूंजते रहे।

हत्या की आशंका पर हंगामा

उदयपुर: सीए टॉपर छात्रा की तालाब में मिली लाश

बेधड़क | उदयपुर

उदयपुर के बड़ी तालाब में शुक्रवार सुबह एक युवती का शव मिला। मृतका की पहचान सुरजपोल थाना क्षेत्र निवासी ध्रुवी बाफना के रूप में हुई। बताया गया कि ध्रुवी सीए की टॉपर छात्रा थी। वो भूपालपुरा थाना क्षेत्र स्थित ऑफिस में इंटर्नशिप कर रही थी। गुरुवार शाम से ही छात्रा लापता थी।

पुलिस इस मामले की जांच में ही जुटी थी कि उसी पोखर से एक युवक की लाश भी मिली। जिससे मामला उलझ गया है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। इधर ध्रुवी की लाश मिलने के बाद हत्या की आशंका जताते हुए परिजनों और समाज के लोगों ने हंगामा खड़ा कर दिया। यहीं नहीं मामले में पुलिस परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाई में लापरवाही बरतने के भी आरोप लगाए। मामला सुबह उस समय सामने आया जब बड़ी गांव की तरफ रहने वाले लोगों ने नाई थाना पुलिस को सूचना दी कि बड़ी तालाब में एक लड़की का शव है। पुलिस मौके पर पहुंची और सिविल डिफेंस टीम को बुलाया।

परिजनों का हंगामा

इसके बाद युवती की पहचान गुरुवार शाम से लापता चल रही सीए छात्रा ध्रुवी के रूप में हुई। जिसके बाद परिजन और भाजपा कार्यकर्ता सहित समाज के कई लोग हॉस्पिटल पहुंचे और हंगामा खड़ा कर दिया। मृतका के मामा और भाजपा कार्यकर्ता वैभव भंडारी ने पुलिस पर कार्रवाई में लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ध्रुवी सीए इंटर्नशिप कर रही है। शाम को ऑफिस से घर नहीं पहुंची तो भूपालपुरा थाने गए क्योंकि उसी क्षेत्र में ध्रुवी का ऑफिस है। थाने वालों ने गुमशुदगी दर्ज कर सुबह आने की कहा। कार्रवाई नहीं होने पर उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा को भी रात में कॉल किया।

पांच दिन प्रवास पर अलवर पहुंचे संघ प्रमुख भागवत

अलवर। आरएसएस के सरसंघ चालक मोहन भागवत शुक्रवार शाम को कड़े सुरक्षा प्रबंध के बीच आश्रम एक्सप्रेस से अलवर पहुंचे। वे अलवर रेलवे स्टेशन से सीधे सीआइएसएफ के सुरक्षा घेरे में संजय नगर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय केशवकृपा पहुंचे। भागवत के अलवर पहुंचने से पहले रेलवे स्टेशन और आरएसएस कार्यालय को सीआइएसएफ ने सुरक्षा घेरे में ले लिया था। भागवत अलवर में पांच दिन प्रवास पर हैं। इस दौरान मोहन भागवत संघ कार्यालय में ठहरेंगे। वे आरएसएस की ओर से आयोजित कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। भागवत इससे पहले वर्ष 2011 में भी अलवर प्रवास पर आ चुके हैं। विभाग संघ चालक डॉ। केके गुप्ता ने बताया कि सरसंघ चालक मोहन भागवत आरएसएस कार्यालय केशवकृपा में प्रांतीय और क्षेत्रीय प्रचारकों की बैठक में शामिल होंगे। वहीं, 15 सितम्बर की सुबह 6:30 से 8:30 बजे तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम स्वयंसेवक एकत्रीकरण में स्वयंसेवकों को संगठन शक्ति का संदेश देंगे। वे इस दिन कटीघाटी स्थित मातृवन में पौधरोपण भी करेंगे। इससे पहले भागवत 14 सितम्बर को आदर्श विद्यामंदिर स्कीम नं। चार में संघ की शाखा का अवलोकन करेंगे। भागवत और सहकार्यवाह अरुण कुमार 17 सितम्बर को पावटा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे।

खेजड़ी के पेड़ बचाने के लिए दिया था बलिदान, याद में आज भी भरता है मेला

जोधपुर के खेजड़ली गांव में जुटे श्रद्धालु, लाखों के गहने पहन पहुंची महिलाएं

बेधड़क | जोधपुर

जोधपुर में पर्यावरण और खेजड़ी के पेड़ बचाने के लिए 294 साल पहले 363 लोगों ने जान दी थी। उनकी याद में जोधपुर जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर खेजड़ली गांव में शुक्रवार को मेला भरा है। आंदोलन की प्रणेता अमृता देवी सहित मारे गए 363 लोगों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने पूरे देश से लोग यहां पहुंचे।

ये मेला कई दिनों तक चलता है। इस मेले की खासियत यह है कि विश्नोई समाज की महिलाएं यहां लाखों रुपए के सोने के जेवर पहनकर पहुंचती हैं। आज भी मेले में सोने के गहनों से लदकर महिलाएं पहुंची। एक-एक महिला ने करीब 30-30 लाख के गहने पहने थे। मेले में शामिल होने राजस्थान के जोधपुर, फलोदी, नागौर, बीकानेर, सांचौर, जालोर, पाली सहित विभिन्न जिलों में रहने वाले समाज के लोग पहुंचे। इसके अलावा हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश राज्यों से भी लोग पहुंचे और शहीदों को नमन किया। खेजड़ली में बिश्नोई समाज के आराध्य जम्भेश्वर भगवान का मंदिर बनाया गया है। आज मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की गई।

सज-धजकर बलिदान को तैयार

मेले में महिलाएं लाखों रुपए के सोने के जेवर पहनकर पहुंची। इसके पीछे एक मान्यता जुड़ी है। मान्यता है कि खेजड़ली गांव में पेड़ों की रक्षा के लिए शहीद हुए लोगों के सम्मान में ये महिलाएं गहना पहनकर पहुंचती है। इसके माध्यम से ये बताते हैं कि महिलाएं भी सज-धजकर बलिदान देने के लिए तैयार हैं।

पैनोरमा और स्टैच्यू बनाया

राजस्थान सरकार ने ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए खेजड़ली में विशेष बजट से मां अमृता देवी की प्रतिमा स्थापित कर 363 शहीदों के नामों की सूची स्थापित की थी। इसके साथ ही खेजड़ली बलिदान से जुड़ी जानकारी के लिए पूरी घटना का पैनोरमा भी बनाया है। बिश्नोई समाज की ओर से यहां हर साल मेले का आयोजन होता है। यह आयोजन कई दिनों तक चलता है।

बिश्नोई समाज ने निकाली वृक्ष बचाओ रैली

शहीद मां अमृतादेवी को किया याद

सांचोर। सांचोर में बिश्नोई समाज की ओर से शहीदी दिवस के अवसर पर अमृता देवी सर्कल से वृक्ष बचाओ, पर्यावरण बचाओ रैली का आयोजन किया गया। रैली में बिश्नोई समाज की महिलाएं और पुरूष अपने पारंपरिक परिधान में पहुंचे। रैली का आयोजन अमृता देवी सर्किल से बिश्नोई धर्मशाला, चौधरी धर्मशाला, विवेकानंद सर्किल, मुख्य चार रास्ता से होते हुए पुनः अमृतादेवी सर्किल आकर संपन्न हुई। इस अवसर पर खेजड़ी की महत्ता, पर्यावरण की महत्ता के नारों से आम जन को जागरूकता का संदेश दिया। इस मोके पर डॉक्टर भूपेंद्र बिश्नोई, जगदीश सारण, दिनेश सारण, धोलाराम सारण, सेतान सारण, मांगीलाल खोड़, कमलेश पवार, ओमप्रकाश मांजू, लालाराम साऊ, श्रवण सारण, पुनमाराम, हनुमान, बाबूलाल, निंबाराम बिश्नोई, सुखराम विशनोई, ओमप्रकाश मांजू, सेतान सारण, कमलेश पवार, सेतान कावा, श्रवण सारण, मोहनलाल विश्नोई, भीखाराम गोदारा, मोतीलाल कावा, किसन लाल साऊ, सुरेश साऊ सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

एग्रीकल्चर सुपरवाइजर के अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 18 सितंबर से

कृषि आयुक्तालय ही करेगा दस्तावेजों की जांच, चार टीमें बनाई

■ **बोर्ड ने जारी किया शेड्यूल**

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित कराई गई विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में अब डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और स्क्रूटनी फॉर्म को लेकर आदेश जारी किए गए हैं।

बोर्ड ने एएनएम, सीएचओ और कंप्यूटर भर्ती परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों को स्क्रूटनी फॉर्म भरने के लिए अतिरिक्त समय दिया है। वहीं, एग्रीकल्चर सुपरवाइजर के शॉर्ट लिस्टेड अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन और पात्रता की जांच के लिए शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित कराई गई कृषि पर्यवेक्षक सीधी भर्ती 2023 में अभ्यर्थियों को पात्रता जांच और दस्तावेज सत्यापन के लिए शॉर्ट लिस्ट किया गया है।

नॉन टीएसपी क्षेत्र के 385 और टीएसपी क्षेत्र के 45 पदों की तुलना में बोर्ड ने क्रमशः 789 और 90 कुल 879 अभ्यर्थियों को शॉर्ट लिस्ट किया है। हालांकि, शॉर्ट लिस्टेड अभ्यर्थियों की पात्रता की जांच और दस्तावेज सत्यापन का कार्य कृषि आयुक्तालय की ओर से ही किया जाएगा।

27 सितंबर को आखिरी मौका

18 सितंबर 26 सितंबर के बीच जयपुर दुर्गापुरा अस्तित्व राज्य कृषि प्रबंध संस्थान के एकेडमिक भवन में अभ्यर्थियों को ओरिजिनल डॉक्युमेंट और स्क्रुटनी फॉर्म की दो प्रतियों के साथ पहुंचना होगा। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के लिए एक दिन में चार अलग-अलग टीम बनाई गई है और उसी के अनुसार अभ्यर्थियों को बांटा गया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई अभ्यार्थी 18 सितंबर से 26 सितंबर के बीच किसी कारण से अनुपस्थित रहता है तो उसके पास 27 सितंबर को आखिरी मौका होगा। इसके बाद अभ्यर्थी को कोई अवसर नहीं दिया जाएगा।

ऑनलाइन स्क्रूटनी फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाई

बोर्ड ने सीएचओ (सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी) (संविदा) भर्ती 2022 और महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (संविदा) भर्ती-2023 शॉर्ट लिस्ट अभ्यर्थियों के ऑनलाइन डिटेल फॉर्म/स्क्रूटनी फॉर्म भरने में आ रही टेक्निकल प्रॉब्लम को ध्यान में रखते हुए दोनों भर्तियों में ऑनलाइन स्क्रूटनी फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 13 सितंबर से बढ़ाकर 18 सितंबर तक की गई है। इसी तरह कंप्यूटर में सीधी भर्ती 2023 में भी ऑनलाइन स्क्रूटनी फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तक बढ़ाई गई है। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि इन भर्तियों में शॉर्ट लिस्ट अभ्यर्थियों को इसके बाद आवेदन को लेकर कोई मौका नहीं दिया जाएगा।

Yuva स्टोरीज

परीक्षा की तारीख बढ़ाने की मांग

प्रोग्रामर भर्ती परीक्षा को लेकर शुरू हुआ विवाद

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा निकाली गई प्रोग्रामर भर्ती परीक्षा को लेकर विवाद शुरू हो गया है। भर्ती परीक्षा में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों ने परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग को लेकर विरोध शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक भर्ती परीक्षा की तैयारी के लिए सरकार कुछ युवाओं को 9 महीने तो कुछ को महज साढ़े तीन महीने का वक्त दें रही है।

जो पूरी तरह गलत है। ऐसे में 27 अक्टूबर प्रस्तावित भर्ती परीक्षा को रद्द कर परीक्षा की संशोधित तारीख जारी की जाए। प्रोग्रामर भर्ती परीक्षा में आवेदन करने वाले डीडी शर्मा ने कहा कि सरकार ने इस साल जनवरी में 216 पदों पर प्रोग्रामर भर्ती निकली थी। जिसकी भर्ती परीक्षा की तारीख 27 अक्टूबर निर्धारित की गई थी। ऐसे में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को तैयारी के लिए 9 महीने का वक्त दिया गया था। शर्मा का कहना है- इसके बाद सरकार ने 14 जून को एक बार फिर प्रोग्रामर भर्ती परीक्षा की संशोधित विज्ञप्ति निकाल 136 पदों का इजाफा किया।

जिसके लिए जून से जुलाई में अभ्यर्थियों को आवेदन का वक्त दिया गया। ऐसे में अब कुल 352 पदों पर प्रोग्रामर भर्ती परीक्षा होनी है। लेकिन बाद में निकाली गई भर्ती परीक्षा की विज्ञप्ति में भी सरकार ने 27 अक्टूबर को ही परीक्षा करने का फैसला किया है।

भर्ती में अनियमितता को लेकर मांगा जवाब

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाई कोर्ट ने एएनएम भर्ती-2023 में कट ऑफ से अधिक अंक लाने के बावजूद भी ईडब्ल्यूएस वर्ग की महिला अभ्यर्थी को वरीयता सूची में शामिल नहीं करने पर चिकित्सा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक से जवाब मांगा है।

जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश अन्ना कुमारी व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि 19 मई, 2023 को राज्य सरकार की ओर से एएनएम के 3736 पदों के लिए भर्ती निकाली गई। भर्ती में 12वीं कक्षा और एएनएम कोर्स में प्राप्त अंकों और अनुभव प्रमाण पत्र के अंकों को जोडते हुए मेरिट बनाई जानी तय की गई।

भर्ती में याचिकाकर्ता ने ईडब्ल्यूएस वर्ग में आवेदन किया। उसके पास इस वर्ग का प्रमाण पत्र भी है और वह राजस्थान की मूल निवासी भी है।याचिका में कहा गया कि गत 4 सितंबर को भर्ती की वरीयता सूची जारी की गई, जिसमें ईडब्ल्यूएस वर्ग की कट ऑफ 52.35 अंक रखी गई। जबकि याचिकाकर्ता के 63 से अधिक अंक हैं। इसके बावजूद भी सामान्य वर्ग में शामिल मानकर वरीयता सूची में शामिल करने से इनकार कर दिया। अब कोर्ट ने इस मामले में अधिकारियों से जवाब मांगा है।

स्टूडेंट्स ने विभिन्न विषयों पर व्यक्त किए विचार

जयपुर। जनता कॉलोनी स्थित एस.जे.पब्लिक स्कूल में इंटर हाउस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि आरजे रवीन्द्र रहे । प्रतियोगिता में शिवाजी, टैगोर, अशोका और रमन सदनों के क्लास 6 से 10 तक के 16 प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय सस्टेनेबल डेवलपमेंट रहा। इसके अंतर्गत स्टूडेंट्स ने स्वच्छ पर्यावरण, जल संरक्षण, लैंगिक समानता, कचरा प्रबंधन ,पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण - शहरी विकास और उत्तम स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को प्रस्तुत किया। स्कूल प्रिंसिपल नीरज बेनीवाल ,कोऑर्डिनेटर तरनजीत कौर और आरजे रवीन्द्र ने निर्णायकों की भूमिका का निर्वहन किया। इस मौके पर रवीन्द्र ने स्टूडेंट्स के प्रदर्शन की सराहना की। स्कूल प्रिंसिपल नीरज बेनीवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि 'सतत विकास 'एक दूरदर्शी योजना है जो आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय ,पर्यावरण संरक्षण के समावेशन से सतत विकास का आह्वान करती है।

OMR शीट से लेकर मेरिट लिस्ट तक नई व्यवस्था

कर्मचारी चयन बोर्ड भर्ती प्रक्रिया में करेगा बड़े बदलाव!

■ **भर्ती परीक्षा में गड़बड़ियों से परेशान युवाओं को मिलेगी राहत**

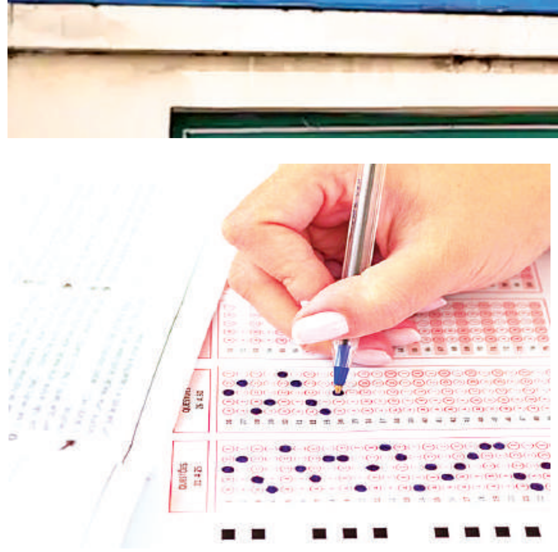

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में होने वाली भर्ती परीक्षा में गड़बड़ियों से परेशान युवाओं को बड़ी राहत मिलने वाली है। अब कैंडिडेट अपनी ओएमआर शीट भी देख पाएंगे। कर्मचारी चयन बोर्ड जल्द ही यह व्यवस्था करने वाला है। अक्सर कई कैंडिडेट यह आरोप लगाते थे कि उनकी ओएमआर शीट बदल दी गई और उन्हें कम अंक दिए गए। इसे देखते हुए बोर्ड नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। ताकि विश्वसनीयता और पारदर्शिता बढ़े।

बोर्ड के चेयरमैन मेजर जनरल आलोक राज ने कहा कि हमने विद्यार्थियों को ओएमआर शीट दिखाने का फैसला किया है। ताकि उन्हें पता चल जाए कि उन्हें किस आधार पर अंक मिले हैं। कई बार यह आरोप लगाए जाते थे कि ओएमआर शीट बदल दी गई। अब पारदर्शिता रहेगी। अब तक तकनीकी वजहों से हम इसे लागू नहीं कर पाए थे लेकिन अब हम इसे दिखाएंगे। इसी महीने से इसकी शुरुआत हो सकती है।

प्रत्येक परीक्षा की मेरिट लिस्ट

इसके साथ ही प्रत्येक परीक्षा की मेरिट लिस्ट जारी करने का फैसला किया है। छोटी परीक्षाओं में सभी विद्यार्थियों की रैंकिंग जारी की जाएगी। ताकि सभी लोगों उनकी रैंकिंग पता रहे। इससे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के नाम पर किसी अभ्यर्थी से ठगी नहीं होगी। अगर किसी भर्ती परीक्षा में लाखों विद्यार्थी हिस्सा लेते हैं तो बोर्ड भर्ती पदों के संख्या का 10 से 20 गुणा विद्यार्थियों की मेरिट लिस्ट जारी करेगा।

परीक्षा में अनुपस्थिति पर होगी कार्रवाई

पिछले कई परीक्षा में कैंडिडेट की घटती उपस्थिति को देखकर बोर्ड परीक्षा न देने वाले विद्यार्थियों पर कार्रवाई का विचार कर रहा है। चेयरमैन आलोक राज ने बताया कि बहुत से अभ्यर्थी अनुपस्थित रहते हैं। आरपीएससी की परीक्षाओं में 9 फीसदी, 10 फीसदी उपस्थिति रही है। हम एक अभ्यर्थी के ऊपर 400 से 600 रुपए खर्च करते हैं। आरपीएससी के हजार रुपए खर्च होते हैं। कई बार ऐसे कारण हो सकते हैं कि किसी वजह से कोई विद्यार्थी किसी मजबूरी में नहीं आ पाया लेकिन अगर लगातार ऐसा हो रहा है तो उस पर एक्शन लेना चाहिए। यह जुर्माना हो सकता है। और डिबार करने तक का फैसला किया जा सकता है। हालांकि इस पर फैसला सरकार को करना है। सरकार के आदेश के बाद हम इसे लागू कर देंगे।

तंजानिया में विकलांग पुर्नवास शिविर की शुरुआत

जयपुर। अफ्रीकी देश तंजानिया की राजधानी दोदोमा में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) और तंजानिया में कार्यरत एक भारतीय कम्पनी कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल लिमिटेड के संयुक्त आयोजन में विकलांग पुर्नवास शिविर की शुरुआत हुई । बीएमवीएसएस. के सचिव और दलनायक भूपेन्द्र मेहता ने बताया कि दोदोमा के बेंजामिन मकापा अस्पताल में आयोजित विष्व प्रसिद्व जयपुर फुट कृत्रिम अंग के लिए दिव्यांगों में बड़ा उत्साह देखा गया।

दलनायक भूपेन्द्र राज मेहता ने बताया कि बी.एम.वी.एस.एस. के सात तकनीशियन 30 दिवसीय इस शिविर में 300 विकलांगों को लाभान्वित करेंगे । यह शिविर कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल की पहल पर आयोजित किया गया हैं, जिससे तंजानिया के विकलांगों के पुर्नवास की भावना हैं । भूपेन्द्र राज मेहता ने कहा कि इस शिविर के कारण तंजानिया में भारत के प्रति सौहार्द मजबूत हुआ हैं । भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने बताया कि 2019 में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और बी.एमवीएसएस के संयुक्त तत्वावधान में आर-ए-सलाम में एक पुर्नवास शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें 551 विकलांगों को लाभान्वित किया गया था और डी.आर. मेहता ने कहा कि अब तक एशिया अफ्रीका के 42 देषों में बी.एमवीएसएस ने 45 हजार लोगों करे लाभान्वित किया ।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान

मानसिक स्वास्थ्य इकाई का शुभारंभ

बेधड़क | जयपुर

जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, मानद विश्वविद्यालय जयपुर के अस्पताल की ओपीडी संख्या 25 में शुक्रवार को मानसिक स्वास्थ्य इकाई का शुभारंभ प्रो संजीव शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रो रमाकांत यादव, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान दिल्ली, प्रो राकेश शर्मा राजीव गांधी आयुर्वेद महाविद्यालय पपरोला, प्रो। एच एम एल मीना, विभागाध्यक्ष, क़ाय चिकित्सा विभाग उपस्थित रहे। कुलपति प्रो संजीव शर्मा ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य इकाई के द्वारा चिकित्सालय में आने वाले रोगियों को मानसिक स्वास्थ्य के लिए एंजायटी, डिप्रेशन एवं अन्य मानसरोगो की काउंसलिंग करने के साथ आयुर्वेद पद्धति से चिकित्सा की जाएगी। इस ओपीडी का संचालन संस्थान के क़ाय चिकित्सा विभाग के अंतर्गत किया जाएगा। चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो एच एम एल मीना ने बताया की मानसिक स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के अस्पताल भवन की ओपीडी संख्या 25 में प्रत्येक शुक्रवार को काउंसलिंग ओर चिकित्सा की जाएगी।

आईपीडी में भर्ती मरीजों को पंचकर्म पद्धति से चिकित्सा की जाएगी। मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग, उचित जीवन शैली ओर मन के स्वास्थ्य के लिए उचित मेंटल हेल्थ एजुकेशन दी जाएगी। कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी, संस्थान के चिकित्सालय अधीक्षक, उपाधीक्षक, डीन, उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय में मनाया गया हिंदी दिवस

जयपुर। पीएम श्री के वि क्रमांक 5 जयपुर में शुक्रवार को हिंदी दिवस मनाया गया। शिक्षक बुद्धा लाल मीना ने मां शारदे के समक्ष विधिवत दीप प्रज्ज्वलित करके पुष्प अर्पित किए और हिंदी पखवाड़े की शुरुआत की।

'शर्म नही सम्मान है,हिंदी हमारा अभिमान हैं' पंक्तियों के साथ राजभाषा समन्वयक रघुवीर प्रसाद ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाओं के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने बताया की हिंदी भाषा हमे एकता के सूत्र में पिरोती है और अपने भावों को व्यक्त करने की अभिव्यक्ति देती है। हिंदी बोलते

समय शर्म महसूस नहीं करनी चाहिए बल्कि गर्व की अनुभूति होनी चाहिए। इस दौरान मंच पर रेणुका अरोड़ा,संजय ज्योतिषी,अंजना बुडानिया,मनीषा चौधरी,शिवचरण मीना के साथ बाकी सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

मेडिकल | **मेडिकल डेंटल काउंसलिंग बोर्ड ने कैंडिडेट्स की जारी की सूची**

308 MBBS सीट पर केवल 170 स्टूडेंट्स के आवेदन

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान स्टेट मेडिकल डेंटल काउंसलिंग बोर्ड नीट यूजी स्कोर के आधार पर 85 फीसदी स्टेट कोटा काउंसलिंग करवा रहा है। इसके तहत राउंड 2 में डिफेंस, पैरामिलिट्री, पीडब्ल्यूडी और एनआरआई कैटेगरी के आवेदकों के लिए डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 14 सितंबर से शुरू हो रहा है।

मेडिकल डेंटल काउंसलिंग बोर्ड ने संभावित कैंडिडेट्स की सूची शुक्रवार को जारी कर दी है। इन कैंडिडेट्स को जयपुर स्थित सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के एग्जामिनेशन हॉल में अपने मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। कैंडिडेट को स्वयं उपस्थित होना जरूरी है। दूसरी तरफ मेडिकल डेंटल काउंसलिंग बोर्ड ने एनआरआई कैटेगरी के कैंडिडेट्स की लिस्ट भी जारी की है। इस लिस्ट में शामिल सभी कैंडिडेट्स को लगभग एमबीबीएस की सीट मिलना तय है, क्योंकि जितनी इनकी संख्या है, उससे ज्यादा सीट एनआरआई कोटे में उपलब्ध है। मेडिकल डेंटल काउंसलिंग बोर्ड की जारी की गई एनआरआई कैटेगरी के विद्यार्थियों की सूची में कुल 170 कैंडिडेट्स हैं, जबकि उपलब्ध एमबीबीएस सीटों की संख्या 308 है। ऐसे में सभी विद्यार्थियों को एमबीबीएस सीट आवंटित होना तय है।

सरकारी और मैनेजमेंट कोटा, दोनों में बढ़ेंगी सीट

राउंड टू में काउंसलिंग के दौरान जारी की गई सीट मैट्रिक्स में 1919 एमबीबीएस सीट बताई गई थी। इसके बाद बारां, बांसवाड़ा, सवाई माधोपुर और नागौर कर मेडिकल कॉलेज को भी लेटर ऑफ परमिशन मिल गया है। ऐसे में एमसीसी ने इनकी 15 फीसदी सीट्स को ऑल इंडिया कोटे में शामिल कर लिया है, जिसके बाद स्टेट कोटा काउंसलिंग में इनकी 85 सीट्स को भी जोड़ा जाएगा। सरकारी 284, मैनेजमेंट 337, एनआरआई 308 और प्राइवेट 890 सीट थीं। ऐसे में चारों सरकारी कॉलेज की करीब 300 सीट्स नई जोड़ी जानी है। इससे सरकारी और मैनेजमेंट कोटे की सीट बढ़ेगी।

सच बेधड़क
कीर्ति स्तम्भ

दशरथ मालावत

प्रकृति और परंपरा

प्रकृति परमपिता परमेश्वर का दिया हुआ वह वरदान है जो हमें धरती, पहाड़, जल थल, वायु, अग्नि एवं आकाश के रूप में सहज ही उपलब्ध है। संपूर्ण ब्रह्मांड की समस्त सत्ता उस परमपिता परमेश्वर की ही शक्ति का परिणाम है। प्रकृति का सम्मान करना हमारी परंपरा में रहा है, पेड़ पौधों की पूजा करना, पीपल-बरगद व कल्पवृक्ष को प्रभु के स्वरूप में मानना तथा वृक्षों की रक्षा करते हुए अमृता देवी का 363 व्यक्तियों सहित बलिदान अनूठा ऐतिहासिक प्रकृति की रक्षा संरक्षण व सम्मान का सटीक उदाहरण है।

प्रकृति ने जल, स्थल, वायु, आकाश व ग्रह मंडल की क्रियाएं हमें सहज ही बिना किसी श्रम के उपलब्ध करवाई है। परमपिता के इस उपहार को हमें मान देना चाहिए। हमारी परंपरा में जैसे इनको सम्मान देने की प्रवृत्ति रही है उसको और आगे बढ़ाएं तो ही उत्तम होगा। इसके लिए पेड़ पौधों का संरक्षण करना होगा तथा रोजाना प्रगति के नाम से पहाड़ व पृथ्वी का सीना चीरने की जो कार्रवाई जारी है उसे विराम देना होगा। पेड़ पौधों की अंधाधुंध कटाई तथा ऊंचे महल व दिखावे के लिए बनाई जाने वाली वस्तुओं के नश्वर स्वरूप को सजाने के लिए प्रकृति का बलिदान दिया जाना किसी भी रूप में उचित नहीं है। प्रकृति के साथ यदि इसी तरह का व्यवहार होता रहा तो कभी उत्तराखंड में केदारनाथ त्रासदी तो कभी सुनामी एवं भुज क्षेत्र में भूकंप आने से जल स्तर का गहरा होते जाना तथा हिमालय की बर्फ का पिघलना, समुद्र किनारों का जल स्तर बढ़ जाना यह प्रकृति द्वारा दिए जाने वाले संकेत हैं जो हमारी ग्लोबल वार्मिंग तथा अवांछित वायु प्रदूषण एवं बढ़ते हुए तापमान से सहज ही आगे चलकर मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा बन सकता है। वेद पुराण एवं प्राचीन ग्रंथों के साथ-साथ वर्तमान में भी वैज्ञानिकों ने भी स्वीकार किया है कि यदि इकोलॉजिकल बैलेंस नहीं रहा, प्रकृति का सम्मान नहीं किया तो आगे दुष्परिणाम भोगने के लिए समस्त ब्रह्मांड को तैयार रहना पड़ेगा।

कुछ चुनौतियां जिनमें तापमान में वृद्धि, बरसात अतिवृष्टि जनित बाढ़, वायु प्रदूषण और पर्वत-वन क्षेत्र की बिना सोचे-समझे बर्बादी आदि बड़ी चुनौतियां हैं। इन तमाम चुनौतियों का सामना करके यथा समय सार्थक निर्णय समस्त मानव जाति को लेने पड़ेंगे। विशेष रूप से भारत देश में जहां का वन प्रदेश अपने आप में सीमित है तथा तीनों मौसम यहां देखे जा सकते हैं, उनका सही संतुलित आनंद लेने के लिए हमें वायु प्रदूषण तथा वनों की कटाई और पर्वतों का विध्वंस नहीं होने देना है। इसलिए ठीक ही कहा गया है-

प्रकृति की रक्षा करना है हमारा दायित्व।
समय पर नहीं जागे तो खतरे में अस्थित्व।।

हिन्दी हूं मैं!

दीपेश कुमार सैन
स्वतंत्र टिप्पणीकार

हिन्दी हमारी मातृभाषा है, और भाषा का अपना विशेष महत्व होता है। इसके लाभ और अनिवार्यताएं हैं, लेकिन जब भाषा में अनियंत्रित रूप से अन्य भाषाओं का संकरण होता है, तो उसकी मौलिक छवि पर आघात पहुंचता है। इससे भाषा अपने मूल स्वरूप से भटक जाती है और मलिन होने लगती है।

आज के युग में हिन्दी में हो रहे नए-नए प्रयोगों ने उसकी छवि को धूमिल कर दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि हिन्दी में बिंदी लगाने का भाव कहीं खो सा गया है। नई भाषाओं के आगमन और आम बोलचाल में 'खिचड़ी भाषा' के प्रयोग ने हिन्दी की शुद्धता में हानि पहुंचाई है। आज का युवा अपनी मातृभाषा के साथ ठीक वैसा ही व्यवहार करता है जैसा कोई पढ़ा-लिखा व्यक्ति अपनी ग्रामीण मां के साथ करता है- उसे अपनी मातृभाषा के प्रयोग में लज्जा महसूस होती है। इसके साथ ही वह समाज में स्वयं को हिन्दी के आधार पर कम आंकने लगता है जबकि ये कोई भाषाई प्रतिस्पर्धा का विषय है ही नहीं। इस बदलाव में समाचार पत्रों और सोशल मीडिया ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजकल के ख्याति प्राप्त प्रमुख समाचार पत्रों में "स्कूलों" जैसे अंग्रेजी शब्दों का धड़ल्ले से प्रयोग हो रहा है, जबकि हिन्दी में इसका शुद्ध रूप "विद्यालयों" है, यहां क्या तो 'स्कूल्स' का प्रयोग होना चाहिये या 'विद्यालयों' का क्योंकि "स्कूलों" जैसा कोई मानक शब्द है ही नहीं और भी ना जाने ऐसे कितने शब्द है जिनका प्रयोग बारम्बार होता जा ही जा रहा है परंतु चलिये छोड़िए। अंग्रेजी और हिन्दी के इस संकरण ने "हिंग्लिश" जैसी एक नई अवांछित संतति को जन्म दे दिया है, जिसे आज के जनमानस ने आसानी से अपना लिया है।

हिन्दी की मौलिकता अब केवल गिने-चुने लोगों तक सीमित रह गई है। हिन्दी के चंद्रबिंदु ने भी अब धरती पर रहना उचित नहीं समझा इसलिए वह भी आकाश में जाकर चांद में विलीन सा हो गया है क्योंकि वह अब सोचने लगा है कि पृथ्वी लोक के लोग उसका सद्पयोग करना भूल गए हैं और अब उसकी धरती पर कोई विशेष आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है। यह स्थिति हमारे लिए सोचनीय है, क्योंकि हिन्दी जैसे समृद्ध भाषा के प्रति यह उदासीनता भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। आज का युवा 'याहू' से लेकर 'यो-यो' तक की यात्रा में कहीं खो गया है और एक विचित्र सी नई भाषा का दीवाना बन गया है। कमियां हर चीज में होती हैं, लेकिन जैसे हम अपनी मां का आंचल नहीं छोड़ते वैसे ही हिन्दी से मुंह मोड़ लेना उचित नहीं। हमारी पहली आवाज, पहला शब्द हिन्दी का था, फिर बड़े होने पर हम उससे सौतेला व्यवहार क्यों करने लगते हैं? यह अचरज की बात है कि जब लोग कहते हैं, "मुझे क्षमा करना, मेरी हिन्दी कमजोर है," तब उनके चेहरे पर लज्जा के स्थान पर गौरव की आभा होती है। मैं यह नहीं कहता कि अन्य भाषाओं से दूरी बना लो, लेकिन अपनी मातृभाषा का अपमान तो मत करो। जिस तरह मां का दर्जा सर्वोपरि होता है, उसी तरह मातृभाषा का भी। विडंबना रही की हिन्दी कभी हमारी राष्ट्रभाषा नहीं बन पाई, यद्यपि 14 सितंबर 1949 को इसे राजकीय भाषा का दर्जा भर मिल सका। अन्य भाषाओं की लोकप्रियता या चलन के कारण हिन्दी विश्व स्तर पर अपनी पहचान नहीं बना पाई। यह युवाओं के लिए एक सोचने का विषय है कि कैसे अपनी मातृभाषा को वैश्विक पटल पर लाया जा सकता है। हमें इसके लिए अथक प्रयास करने चाहिए, ताकि हिन्दी की गरिमा और पहचान अपने मूल भाव के साथ सदैव बनी रहे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिन्दी दिवस पर विशेष

विश्व में हिन्दी का परचम!

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> *विगत दशकों में अनेक रूसी विद्वानों ने हिंदी साहित्य का अनुवाद किया है। इनमें से एक तुलसीकृत रामचरित मानस भी है जिसका अनुवाद प्रसिद्ध विद्वान वारान्निकोव द्वारा किया गया है। मॉस्को राजकीय विश्वविद्यालय और कुछ अन्य विश्वविद्यालयों में एक अलग पूर्वी भाषाओं के विभाग को बनाया गया है जहां पर हिन्दी की शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है।*

किसी भी राष्ट्र की जीवंतता और पहचान उसकी भाषा और संस्कृति है। इसके बिना राष्ट्र रूपी शरीर का अस्तित्व, चिंतन और दर्शन सभी कुछ बेमानी है। राष्ट्र के नागरिक निज भाषा से संस्कारित होकर ही अपने मूल्यों, विचारों, आदर्शों और प्रतिमानों को जीते हैं। कहा भी जाता है कि राष्ट्र के विचारों को गढ़ने-बुनने, संजोने-संवारने और उसे प्राणवान बनाने में भाषा की अहम भूमिका होती है। हिन्दी भाषा उन्हीं भाषाओं में से एक है जो भारत की कालजयी सभ्यता-संस्कृति, आचार-विचार, विज्ञान-दर्शन और इतिहास को आलोकित-प्रकाशित करती है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में जहां एक ओर भाषाएं दम तोड़ रही हैं वहीं हिन्दी भाषा अपनी स्वीकार्यता और प्रासंगिकता का लोहा मनवा रही है। आज समूचे विश्व में हिन्दी भाषा की गूंज है। विश्व के अधिकांश देशों में हिन्दी भाषा का सम्मान बढ़ रहा है। नतीजा, आज हिन्दी भाषा न सिर्फ भारत राष्ट्र की भाषा भर है बल्कि समूचे विश्व के लोगों के सांस्कृतिक जुड़ाव, विचारों के आदान-प्रदान और विकास का जरिया बन रही है।

आंकडों के लिहाज से देखें तो दुनिया भर में तकरीबन 61.5 करोड़ लोग हिन्दी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। इथोनोलॉज के आंकड़ों के मुताबिक अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 113 करोड़ और चीनी भाषा मंडारिन की संख्या 112 करोड़ है। लेकिन जिस गति से हिन्दी भाषा की स्वीकार्यता व लोकप्रियता आसमान छू रही है उससे साफ है कि आने वाले दिनों में हिन्दी भाषा अंग्रेजी और मंडारिन भाषा को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर विराजमान हो जाएगी। वैश्विक स्तर पर यूजर्स के लिहाज से 1952 में हिन्दी भाषा पांचवे पायदान पर थी जो 1980 के दशक में चीनी और अंग्रेजी भाषा के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गयी। लेकिन विगत दशकों में विकासशील भारत के प्रति बढ़ते वैश्विक आर्थिक-व्यापारिक आकर्षण ने सभी के लिए हिन्दी भाषा को बोलने-समझने की अनिवार्यता सुनिश्चित कर दी। गौर करें तो एक भाषा के तौर पर हिन्दी का जितना अधिक अंतरराष्ट्रीय विकास हुआ है, विश्व में शायद ही किसी अन्य भाषा का उतना हुआ हो। वे सभी संस्थाएं, सरकारी मशीनरी और छोटे-बड़े समूह बधाई के पात्र हैं जिन्होंने हिन्दी को इस ऊंचाई पर पहुंचाया है। 1999 में मशीन ट्रांसलेशन शिखर बैठक में टोकियो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर होजुमि तनाका द्वारा पेश नए भाषायी आंकड़ों के मुताबिक अब चीनी भाषा के बाद हिन्दी का स्थान है। यानि अंग्रेजी भाषा पीछे छूट गयी है।

गौर करें तो आज दुनिया के तकरीबन 40 से अधिक देशों के 600 से अधिक विश्वविद्यालयों और स्कूलों में हिन्दी की पढ़ाई हो रही है। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका में हिन्दी की धूम मची है। यहां 30 से अधिक विश्वविद्यालयों में भाषायी पाठ्यक्रम में हिन्दी को महत्वपूर्ण दर्जा हासिल है। अमेरिका के अलावा यूरोपिय देशों में भी हिन्दी का तेजी से विकास हो रहा है। इंग्लैंड के लंदन, कैम्ब्रिज और यार्क विश्वविद्यालयों में हिन्दी को चाहने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। जर्मनी के हीडलबर्ग, लोअर सेक्सोनी के लाइपजिंग, बर्लिन के हम्बोलडिट और बॉन विश्वविद्यालय में भी हिन्दी भाषा को पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया गया है। एक दशक से रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी साहित्य पर शोध हो रहे हैं। यहां हिंदी का बोलबाला बढ़ा है। हिन्दी का जलवा सिर्फ जर्मनी ही नहीं बल्कि रूस में भी कायम है। विगत दशकों में अनेक रूसी विद्वानों ने हिंदी साहित्य का अनुवाद किया है। इनमें से एक तुलसीकृत रामचरित मानस भी है जिसका अनुवाद प्रसिद्ध विद्वान वारान्निकोव द्वारा किया गया है। मॉस्को राजकीय विश्वविद्यालय और कुछ अन्य विश्वविद्यालयों में एक अलग पूर्वी भाषाओं के विभाग को बनाया गया है जहां पर हिन्दी की शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है। रूसी कवियों ने सबसे पहले जिस भारतीय कवि की रचनाओं का अनुवाद किया, वे कालिदास हैं। प्रसिद्ध रूसी कवि अलेक्सान्दर पूश्किन के पूर्ववर्ती कवि वसीली झुकोवस्की ने सबसे पहले कालिदास की रचना 'नल और दमयंती' का रूसी भाषा में अनुवाद किया। उनके बाद कालिदास की रचना 'शकुंतला' का अनुवाद कंस्तांतिन बालमंत ने किया। हिन्दी की बढ़ती लोकप्रियता का ही आलम है कि वेस्टइंडीज के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी पीठ की स्थापना की गयी है।

एशियाई देश जापान में हिन्दी भाषा का बहुत अधिक सम्मान है। प्रोफेसर दोई ने टोकियो विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग की स्थापना की है। रूस की तरह जापान में भी हिन्दी साहित्य का अनुवाद हुआ है। प्रोफेसर तोबियोतनाका ने भीष्म साहनी के उपन्यास 'तमस' का जापानी भाषा में अनुवाद किया है। प्रोफेसर कोगा ने 'जापानी-हिन्दी कोष' की रचना की है। उन्होंने गांधी जी की आत्मकथा का भी जापानी में अनुवाद किया है। प्रोफेसर मोजोकामी हर वर्ष हिन्दी का एक नाटक तैयार करते हैं और उसका मंचन भारत में करते हैं। गुयाना और मॉरिशस में भी हिन्दी भाषा को लेकर जबरदस्त उत्साह है। दरअसल यहां भारतीय मूल के लोगों की संख्या सर्वाधिक है। यहां प्राथमिक स्तर से लेकर स्नातक स्तर पर हिन्दी के पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था है। मॉरिशस में अंग्रेजी राजभाषा है। फ्रेंच बोलने वालों की तादाद भी बहुत अच्छी है। लेकिन हिन्दी की लोकप्रियता में तनिक भी कमी नहीं है। यहां बहुत पहले हिन्दी सचिवालय की स्थापना हो चुकी है। आज ढेरों हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन हो रहा है। मॉरिशस में भारतीय मूल के लोगों की जनसंख्या कुल आबादी की आधे से अधिक है। लिहाजा यहां हिन्दी का एक सशक्त भाषा के रूप में स्थापित होना लाजिमी है। यहां हिन्दी भाषा में खूब पत्र-पत्रिकाओं तथा साहित्य का प्रकाशन हो रहा है। मॉरिशस की तरह फिजी, नेपाल, भूटान, मालदीव और श्रीलंका में भी हिन्दी का जलवा कायम है। फिजी में बोली जाने वाली प्रमुख भाषा हिन्दी है। इसे फिजियन हिन्दी या फिजियन हिन्दुस्तानी भी कहते हैं। यह फिजी की आधिकारिक भाषाओं में से एक है। नेपाल में भी हिन्दी बोलने व समझने वाले लोगों की तादाद अच्छी है। नेपाल में भारतीय टेलिविजन और सिनेमा अति लोकप्रिय है जिसके कारण हिन्दी बोलने-समझने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। इसी तरह खाड़ी देशों में भी हिन्दी का तेजी से प्रचार-प्रसार हर रहा है। यहां के सोशल मीडिया में भी हिन्दी का दखल बढ़ा है।

आज कई पत्र-पत्रिकाओं को ऑनलाइन पढ़ा जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में हिन्दी एफएम चैनल लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। नए-पुराने हिन्दी गीतों को चाव से सुना जा रहा है। हिन्दी फिल्मों ने भी यहां धूम मचा रखी है। पिछले कुछ वर्षों से दुबई में लगातार हिन्दी कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है जो अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हिन्दी भाषा की यह असाधारण उपलब्धि कही जाएगी कि जिन देशों में भाषा को विचारों की पोषाक और राष्ट्र का जीवन समझा जाता है वहां भी हिन्दी तेजी से अपना पांव पसार रही है। हंगरी, बुल्गारिया, रोमानिया स्विटजरलैंड, स्वीडन, फ्रांस, नार्वे, जापान, इटली, मिस्र, कजाकिस्तान, तुर्केमेनिस्तान, कतर और अफगानिस्तान, रूस और जर्मनी अपनी भाषा को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। वे इसे अपनी सांस्कृतिक अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। लेकिन इन दशों में हिन्दी को भरपूर स्नेह और सम्मान मिल रहा है। यह हिन्दी भाषा के लिए बड़ी उपलब्धि है। आज दुनिया का कोई ऐसा कोना नहीं जहां भारतीयों की उपस्थिति न हो और वहां हिन्दी का तेजी विस्तार न हो रहा हो। एक आंकड़ें के मुताबिक दुनिया भर में ढ़ाई करोड़ से अधिक अप्रवासी भारतीय 160 से अधिक देशों में रहते हैं। यह सुखद है कि वह अपनी भाषा व संस्कृति से जुड़े हैं और हिन्दी के फैलाव में योगदान कर रहे हैं। गौर करें तो बहुराष्ट्रीय देशों की कंपनियां भी अपने-अपने देशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए सरकारों पर दबाव बना रही हैं। दरअसल उनका मकसद हिन्दी के जरिए एशियाई देशों में अपनी व्यपारिक गतिविधियों को बढ़ाना है। यह स्वीकारने में हिचक नहीं कि बाजार ने भी हिन्दी की स्वीकार्यता को नई उंचाई दी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की चमक प्रमाणित करती है कि संसार में उसकी प्रतिष्ठा और उपादेयता बढ़ी है। वह तेजी से वैश्विक भाषा बन रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आलेख

हिन्दी को शिक्षा, रोजगार और तकनीक से जोड़ना होगा

राजीव जैन
स्वतंत्र टिप्पणीकार

देश में सर्वाधिक बोली जाने वाली हिंदी भाषा को बढावा देने के लिए उसे शिक्षा, रोजगार और तकनीक से जोडने की दिशा में काम करना होगा। इससे सही अर्थो में हिंदी जनसामान्य की भाषा बन सकेगी। देश के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा उसकी मातृभाषा में देने की जरूरत है। बच्चे की प्राथमिक शिक्षा उसकी मातृभाषा में होती है तो वह अन्य भारतीय भाषाएं भी आसानी से सीख लेता है। देश में आजादी के 75 वर्षो के बाद भी राजभाषा हिंदी को वो सम्मान हासिल नहीं हो पाया जिसकी वो हकदार है। देश में पिछले दस साल में हिंदी को बढावा देने का काफी प्रयास किया गया है। इसमें अब और तेजी लाने की जरूरत है।

देश की अन्य भाषाओं के साथ हिंदी की कोई स्पर्धा नहीं है। सभी भाषाओं का अपना स्थान है। इन सभी भाषाओं में हिंदी को संपर्क भाषा के तौर पर इस्तेमाल कर इसे बढावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही हिंदी भाषी प्रदेशों में हिंदी को सरकारी कामकाज की भाषा के तौर पर ज्यादा इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही कामकाज में कठिन हिंदी शब्दों के बजाये आम बोलचाल के सरल शब्दों में ही कामकाज किए जाने की जरूरत है। इसके साथ ही हिंदी प्रदेशों में अहिंदी भाषी प्रदेशों की भाषाओं को भी सम्मान मिलना चाहिए। देश के सभी प्रदेशों की भाषाएं अगर एक दूसरे के यहां सम्मान पाएगी तो निश्चित तौर पर हिंदी को अपनाने में अहिंदी भाषी लोगों को कोई आपत्ति नहीं होगी। इसी तरह से भाषाओं को एक दूसरे पर थोपने की प्रवृति से भी बचना होगा। किसी को भी यह नहीं लगना चाहिए कि उस पर कोई भाषा जबरदस्ती से थोपी जा रही है। भाषा को हमेशा से राजनीति से दूर ही रख कर हम हिंदी को सभी के लिए अनुरागी भाषा बना सकते है। देश में तमाम तरह का प्रचार तंत्र भी हिंदी भाषा पर टिका हुआ है। इसलिए भाषा को लेकर विवाद रहित नीति से ही हिंदी को सर्वमान्य बनाया जा सकता है। हिंदी को सभी स्थानीय भाषाओं की दोस्त बना कर आगे बढाया जाना चाहिए।

यहां यह भी ध्यान रखने की आवश्यकता है कि किसी भी स्थानीय भाषा के बोलने वालों के मन में हीनभावना न आये और हिंदी सामान्य रूप से सर्वसम्मति व सहमति से कामकाज की भाषा के तौर पर आगे बढे। इससे सभी के मन में हिंदी के प्रति आदर भाव रहेगा। देश का शासन देश की भाषा में चले, इसके लिए पिछले दस वर्ष में काफी काम हुआ है। गैर हिंदी भाषी इलाकों के लोगों के मन का भ्रम दूर करने की भी आवश्यकता है। जिस तरह से माना जाता है कि हमारे देश की सभी भाषाओं की जननी संस्कृत है उसी तरह से हिंदी को भी संपर्क भाषा के तौर पर मान्यता देकर आगे बढा जा सकता है। मौजूदा दौर में केंद्र सरकार कई तरह के कदम उठा कर हिंदी को आगे बढाने का काम भी कर रही है। सरकार की तरफ से शब्दकोष का निर्माण किया गया है। शिक्षा विभाग के सहयोग से भारत की स्थानीय भाषाओं से हजारों शब्द हिंदी में जोडने का काम किया गया है। कई ऐसे शब्द जिनका पर्याय हिंदी में उपलब्ध नहीं था, अन्य भाषाओं से अनेक शब्द स्वीकार कर हिंदी को समृद्व किया गया। इसे लचीली बनाया और उस भाषा व हिंदी के बीच के रिश्ते को भी मजबूत करने का काम किया। इसके साथ ही राजभाषा विभाग इस तरह का साफटवेयर बना रहा है जिससे आठवीं अनूसूची की सभी भाषाओं का अपने आप तकनीकी आधार पर अनुवाद हो जाए। इसके पूरा हो जाने पर कामकाज में हिंदी की बहुत तेज गति से स्वीकृति और विकास होगा। हिंदी को हर स्तर पर बढावा देने के लिए सरकार के स्तर पर तेज गति से काम हो, इस पर हिंदी के लेखकों को भी योगदान देना चाहिए।

केंद्र सरकार की हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार उसका लक्ष्य है कि 2047 तक देश का संपूर्ण संचालन भारतीय भाषाओं में हो। ऐसा होने पर यह तय है कि इससे हिंदी भाषा का गौरव भी बढेगा। संविधान निर्माताओं की भी मंशा थी कि हमारे देश की एक ऐसी भाषा होनी चाहिए जो एक प्रदेश और दूसरे प्रदेश के बीच संवाद का काम करें। यह काम हिंदी भाषा ही कर सकती है। हिंदी भाषा देश के हर कोने में समझ में आने वाली बोली भी मानी जाती है। नई शिक्षा नीति में भी इस बात पर जोर दिया गया है कि बच्चे की प्राथमिक शिक्षा उसकी मातृभाषा में होनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि जब बच्चा अपनी मातृभाषा को सीख लेता है तब वह देश की कई भाषाओं के साथ जुड जाता है।

देश में हर पांच साल में एक भाषा कमीशन बनाना तय किया गया था, जो भाषाई विविधता पर विचार कर अपनी सिफारिशें देगा। पर इसे भुला दिया गया। हिंदी की स्वीकार्यता को बढाने के लिए भाषाई विविधता को भी स्वीकार करने के कदम उठाये जाने चाहिए। मौजूदा दौर में हिंदी अब तकनीक के साथ रोजगार से भी जुड गई है। भारत सरकार भी प्रयासरत है कि नये युग की सभी तकनीकों में हिंदी भाषा को जोडा जाए, इससे हिंदी भाषी लोगों को बहुत बडा लाभ भी मिलेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिन्दी के प्रकाश-पुंज को आलोकित करें

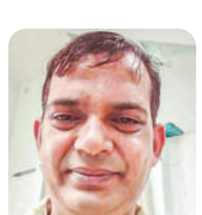

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र टिप्पणीकार

चौदह सितंबर को हर साल हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्यों कि इसी दिन यानी कि 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिन्दी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था। वास्तव में सितंबर का महीना विशेष रूप से हिन्दी को समर्पित है और इस महीने में हम सभी हिन्दी में अधिकाधिक सरकारी कामकाज करने का संकल्प भी लेते हैं। हिन्दी दिवस, हिन्दी पखवाड़ा के दौरान देश के प्रत्येक केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में हिन्दी पर अनेक प्रतियोगिताओं, संगोष्ठियों, सेमिनारों का आयोजन किया जाता है और पुरस्कार भी बांटे जाते हैं। हम न केवल सरकारी कामकाज करने में बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने का संकल्प लेते हैं ,लेकिन यहां यह विचार करने की आवश्यकता है कि आखिर क्या कारण हैं कि एक हिन्दी बाहुल्य वाले देश में हमें हिन्दी को आगे बढ़ाने के लिए दिवस मनाना पड़ रहा है और इसके अधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए पुरस्कार तक बांटने पड़ रहे हैं। वास्तव में यदि हमें हिन्दी भाषा का विकास करना है तो हमें संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी भारतीय भाषाओं को एक साथ लेकर चलना होगा। हिन्दी को सभी भारतीय भाषाओं से शब्द अपने में समाहित करने होंगे तभी इसका शब्दकोश और अधिक व्यापक बन सकेगा।

विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार अनुच्छेद 351 'भारत के संविधान का एक अनुच्छेद है। यह संविधान के भाग 17 में शामिल है और संघ की राजभाषा के विशेष निदेश का वर्णन करता है। यह अनुच्छेद हिन्दी भाषा के प्रसार और विकास को सुनिश्चित करता है और साथ ही इस उद्देश्य हेतु संघ या राष्ट्रीय सरकार के कर्तव्यों को भी व्याख्यायित करता है। इस अनुच्छेद में यह कहा गया है कि संघ को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हिन्दी भारत के विविध सांस्कृतिक तत्वों के लिए अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। इसमें हिन्दी की विशिष्ट विशेषताओं हिंदुस्तानी जैसी अन्य भारतीय भाषाओं और भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में निर्दिष्ट भाषाओं में उपयोग किए जाने वाले रूपों, शैली और अभिव्यक्तियों को बदले बिना आत्मसात करने का निर्देश दिया गया है। इस अनुच्छेद में यह भी वर्णित है कि संघ को संस्कृत पर प्राथमिक ध्यान देने के साथ-साथ जहां आवश्यक या वांछनीय हो वहां अन्य भाषाओं की शब्दावली का उपयोग करके हिन्दी को समृद्ध करने का प्रयास करना चाहिए।'

दरअसल, आज अंग्रेजी भाषा को ही हम अधिक महत्व दे रहे हैं, क्यों कि एक आम सोच यह विकसित हो चुकी है कि अंग्रेजी के बिना कोई भी काम नहीं चल सकता है, जबकि यह सोच बहुत ही तुच्छ और ग़लत है। भाषा कोई भी हो,कभी अच्छी व बुरी नहीं होती है। सभी भाषाएं अपने आप में अच्छी हैं और उनका अपना शब्दकोश व व्याकरण है। हिन्दी का अपना एक व्यापक शब्दकोश है और एक-एक भाव को व्यक्त करने के लिए सैकड़ों शब्द हैं। हिन्दी लिखने के लिये प्रयुक्त देवनागरी लिपि अत्यन्त वैज्ञानिक है। हिन्दी को संस्कृत शब्द संपदा एवं नवीन शब्द-रचना-सामर्थ्य विरासत में मिली है। यह भी एक तथ्य है कि देशी भाषाओं एवं अपनी बोलियों आदि से शब्द लेने में संकोच नहीं करती। अंग्रेजी के मूल शब्द लगभग 10,000 हैं, जबकि हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या ढाई लाख से भी अधिक है। एक आंकड़े के अनुसार आज हिन्दी बोलने एवं समझने वाली जनता पचास करोड़ से भी अधिक है। इतना ही नहीं, हिन्दी दुनिया की दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और इसका साहित्य सभी दृष्टियों से समृद्ध है। हिन्दी आम जनता से जुड़ी भाषा है तथा आम जनता हिन्दी से जुड़ी हुई है।

हिन्दी भारत के स्वतंत्रता-संग्राम की वाहिका और वर्तमान में देशप्रेम का अमूर्त-वाहन है। यह भारत की सम्पर्क भाषा है। हिन्दी आज पत्रकारिता, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, इंजीनियरिंग, मेडिकल, साइंस, स्पेस समेत अनेक क्षेत्रों की भाषा है और कोई क्षेत्र ऐसा बचा नहीं है जहां हिन्दी का प्रयोग नहीं हो रहा है। यह बहुत ही सरल,सहज व वैज्ञानिक दृष्टिकोण लिए हुए बहुत ही शानदार व सशक्त भाषा है। जानकारी मिलती है कि आज इसमें(हिन्दी भाषा में) लगभग 1.5 लाख शब्द हैं और अध्ययन की सभी शाखाओं के तकनीकी शब्दों को मिलाकर लगभग 6.5 लाख शब्द हैं, जो कि काफी अच्छी संख्या है। जानकारी देना चाहूंगा कि इस समय विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जा रही है जो हिन्दी के बढ़ते प्रयोग और प्रभाव का संकेतक है। निस्संदेह हिन्दी दुनिया की सर्वाधिक तीव्रता से प्रसारित हो रही भाषाओं में से एक है। आंकड़ों की बात करें तो आज विश्व में हिन्दी भाषी करीब 70 करोड़ लोग हैं। यह तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है। 1.12 अरब बोलने वालों की संख्या के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है। चीनी भाषा मेंडरिन बोलने वाले करीब 1.10 अरब हैं। 51.29 करोड़ और 42.2 करोड़ के साथ स्पैनिश और अरबी का क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान है। तो आइए हम अपनी भाषा को एक प्रकाश पंज के रूप में हमेशा आलोकित करने की दिशा में आगे बढ़ें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अडाणी के स्विट्ज़रलैंड में खातों को लेकर फिर गरमाई सियासत, कांग्रेस ने घेरा

सुप्रीम कोर्ट के नियंत्रण में जेपीसी से कराई जाए जांच : जयराम रमेश

एजेंसी | नई दिल्ली

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की अडाणी समूह को लेकर ताजा रिपोर्ट पर फिर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने इस रिपोर्ट को लेकर अडाणी समूह पर निशाना साधा है और मामले की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराने की मांग की है। साथ ही जांच का नियंत्रण सुप्रीम कोर्ट के पास होना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ताजा खबरों से पता चला है कि स्विट्ज़रलैंड के मनी लॉन्ड्रिंग रिपोर्टिंग कार्यालय की कार्रवाई में अडाणी समूह के पार्टनर चांग चुंग-लिंग के पांच खातों को फ्रीज कर दिया गया है। इन खातों में 311 मिलियन डॉलर यानी 2,610 करोड़ रुपए जमा थे। यह जांच 28 दिसंबर 2021 से ही चल रही थी। इसी के साथ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से भी मामले में दखल देने की अपील की है।

उन्होंने आगे लिखा कि स्विस फेडरल क्रिमिनल कोर्ट के 9 अगस्त 2024 के आदेश में इन खातों को फ्रीज करने की अर्जी को खारिज कर दिया गया और इसे "अपारदर्शी फंड" बताया गया है। कोर्ट की नजर में इस फंड में मनी लॉन्ड्रिंग और गबन सहित अवैध गतिविधियों से प्राप्त धन के शामिल होने का संदेह है। स्विस कोर्ट ने पाया कि चांग और उसके सहयोगी बाजार में हेराफेरी में शामिल थे।, जिसका आरोप अडाणी समूह पर कई सालों से लगाया गया है।

अडाणी समूह के साथ चांग के घनिष्ठ संबंध

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि अडाणी समूह के साथ चांग के घनिष्ठ संबंध किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना (ओसीसीआरपी) की जांच से पता चला है कि चांग और उनके सहयोगी नासिर अली शाबान अहली इंडोनेशिया से अडाणी द्वारा आयातित कोयले की कीमत को 52 फीसदी बढ़ा चढ़ा कर पेश करते थे। उनके भ्रष्टाचार की पोल खोल चुकी है।

अडाणी समूह ने सभी आरोपों को बताया निराधार

दूसरी ओर अडाणी समूह ने आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि स्विस अदालत की किसी भी कार्यवाही में उसकी कोई संलिप्तता नहीं है। अडाणी समूह ने कहा, हम सभी निराधार आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं और उनका खंडन करते हैं। हमारी कंपनी के किसी भी खाते को किसी प्राधिकरण की तरफ से जब्त नहीं किया गया है।

पीएम मोदी पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता ने इसी के साथ प्रधानमंत्री मोदी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि साफ जाहिर है कि प्रधानमंत्री अपने मित्र को समृद्ध करने और उसकी रक्षा करने में दृढ़ हैं। अगर स्विट्ज़रलैंड, श्रीलंका और बांग्लादेश में भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है तो उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं।

टाइटलर के खिलाफ हत्या व अन्य मामलों के आरोप तय

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में शुक्रवार को टाइटलर के खिलाफ हत्या और अन्य अपराधों के आरोप तय किए। विशेष न्यायाधीश राकेश सियाल ने निर्देश दिया कि टाइटलर द्वारा अपराध के लिए दोषी न होने की बात स्वीकार करने के बाद उन्हें मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले न्यायाधीश ने 30 अगस्त को कहा था कि आरोपी के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त आधार हैं। एक गवाह ने पहले आरोप पत्र में कहा था कि टाइटलर 1 नवंबर, 1984 को गुरुद्वारा पुल बंगश के सामने एक सफेद एम्बेसडर कार से बाहर आए। उन्होंने भीड़ को उकसाया।

नीतीश किसी के भी साथ जा सकते हैं: जगदानंद सिंह

पटना। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने माफी मांगकर दूसरी बार राजद के साथ जेडीयू की सरकार बनाई थी। उन्होंने कहा कि अब आरजेडी जनादेश लाकर राज्य में अगली सरकार बनाएगी। इसके साथ ही उन्होने 8 अगस्त 2022 को दस सर्कुलर रोड स्थित आवास में आयोजित एक कार्यक्रम का वीडियो फुटेज भी दिखाया और कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की एक ही उपलब्धि रही है, वे कहीं भी किसी के साथ जा सकते हैं। ज्ञात रहे कि इससे पहले नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने तेजस्वी यादव को चुनौती देते हुए कहा था अगर उनके पास नीतीश कुमार का गिड़गिड़ाने और माफी मांगने का वीडियो है, तो वो उसे सार्वजनिक करें। इस तरह झूठ बोलने से कुछ नहीं होने वाला है।

जेल से बाहर आकर गरजे सीएम केजरीवाल... कहा-

कमजोर नहीं हुआ मेरा हौसला... 100 गुना ज्यादा बढ़ गई है ताकत

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार रात्रि आखिरकार जेल से बाहर आ गए। आप नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया,संजय सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। केजरीवाल ने जेल से बाहर आकर आप कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा कि वह सच्चे थे, इसलिए भगवान ने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा, जेल बाहर आकर मेरी ताकत 100 गुना बढ़ गई है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, दोस्तों मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है। मेरी जिंदगी का एक-एक पल, एक-एक कतरा देश के लिए कुर्बान है। मैंने जिंदगी में बहुत संघर्ष किया है। बहुत बड़े बड़े संघर्ष किए। जिंदगी में बहुत मुश्किल झेली है। मगर हर कदम पर भगवान ने मेरा साथ दिया है। ऊपर वाले ने मेरा साथ दिया क्योंकि मैं सच्चा था। सही था। जिन लोगों ने मुझे जेल में डाल दिया, उन लोगों को लगा कि हम लोग टूट जाएंगे। केजरीवाल ने आगे कहा, आज आप लोगों को कहना चाहता हूं कि इनकी जेल की मोटी-मोटी दीवारें, सलाखे, केजरीवाल के हौसले को कमजोर नहीं कर सकती हैं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जैसे आज तक ऊपर वाले ने मुझे रास्ता दिखाया, वैसे आगे भी रास्ता दिखाता रहे।

उन्होंने कहा, मैं देश की सेवा करता रहा। जितनी राष्ट्रविरोधी ताकतें हैं, जो देश का विकास रोक रही हैं, जो देश को बांटने का काम कर रही हैं, जो देश को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। जिंदगी भर इनके खिलाफ लड़ा। आगे भी ऐसे ही लड़ता रहूंगा।

जमानत के साथ SC ने लगाई कई शर्तें

CM के रूप में नहीं कर पाएंगे काम, फाइल पर नहीं कर सकेंगे हस्ताक्षर

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को महत्व देते हुए केजरीवाल को जमानत तो दे दी है लेकिन उन पर कई कड़ी शर्तें लगाई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी केस में अंतरिम जमानत के साथ दी गईं शर्तों को बरकरार रखा है। इस वजह से केजरीवाल मुख्यमंत्री के रूप में काम नहीं कर पाएंगे। उन्हें किसी भी सरकारी फाइल पर साइन करने की इजाजत नहीं होगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने केजरीवाल को 10 लाख के बेल बॉन्ड और दो शुरिटीज पर जमानत दी है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आवेदनकर्ता (केजरीवाल) केस की मेरिट पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। ईडी केस में इस अदालत ने जो शर्तें लगाईं हैं, वे इसमें भी लागू होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट में सुनवाई के दौरान अदालत में मौजूद रहना होगा, जब तक कि उन्हें व्यक्तिगत पेशी से छूट ना मिली हो। ईडी केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि केजरीवाल किसी गवाह से बात नहीं कर सकते हैं और ना ही इस केस से जुड़े किसी आधिकारिक फाइल को देख सकते हैं।

यह कहा कोर्ट ने

- मुकदमा लंबित रहने के दौरान आरोपी को लंबे समय तक कारावास में रखना व्यक्तिगत स्वतंत्रता से अन्यायपूर्ण तरीके से वंचित करना है।
- जमानत पर पीठ एकमत, गिरफ्तारी पर मतभिन्नता
- केजरीवाल को जमानत देने के मुद्दे पर पीठ के दोनों न्यायाधीशों की राय एक है लेकिन, सीबीआई की गिरफ्तारी पर जजों में मतभिन्नता रही। जस्टिस सूर्यकांत ने सीबीआई की गिरफ्तारी को वैधानिक ठहराते हुए कहा है कि उसमें कोई प्रक्रियात्मक या कानूनी खामी नहीं है। जबकि जस्टिस उज्जवल भुइयां ने सीबीआई की गिरफ्तारी पर सवाल उठाया है और सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता की धारणा से बाहर आने की नसीहत दी है। ज्ञात रहे कि केजरीवाल ने दो अपीलें दाखिल की थीं एक में सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती दी थी और दूसरी में जमानत मांगी थी।

इन शर्तों पर दी गई जमानत

- अरविंद केजरीवाल मामले की योग्यता पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करेंगे। ईडी मामलों में लगाई गई शर्तें इस मामले में भी लागू होंगी।
- वह मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सचिवालय नहीं जाएंगे।
- केजरीवाल आधिकारिक फाइलों पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेंगे, जब तक कि उपराज्यपाल की मंजूरी नहीं मिलती।
- केजरीवाल वर्तमान मामले में अपनी भूमिका के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।
- केजरीवाल किसी भी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे और मामले से जुड़ी किसी भी आधिकारिक फाइल तक उनकी पहुंच नहीं होगी।
- केजरीवाल को 10 लाख रुपये की जमानत राशि जमा करने का निर्देश दिया गया है। इतनी राशि के दो जमानती भी पेश करने होंगे।

अरविंद केजरीवाल का भव्य रोड शो

अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आए तो भारी संख्या में मौजूद आप नेताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। बारिश के बावजूद मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल सहित आप के कई वरिष्ठ नेता केजरीवाल के स्वागत के लिए मौजूद रहे। भारी बारिश के बीच पोस्टर, बैनर और पार्टी के नीले-पीले झंडों के साथ छाते लेकर आप समर्थक जेल के बाहर मौजूद थे। खुशी से झूमती भीड़ मुख्यमंत्री के समर्थन में नारे लगाए। आप समर्थकों ने तिहाड़ जेल के बाहर "जेल के ताले टूट गए, अरविंद केजरीवाल छूट गए" जैसे नारे लिखे बड़े-बड़े बैनर लगाए। केजरीवाल की रिहाई से पहले जेल के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। ज्ञात रहे कि अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार किया था। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट के पांच अगस्त के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा था।

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के समर्थन में आए कई मुस्लिम विद्वान... कहा -

वक्फ की संपत्तियां पिछड़े मुस्लिमों के लिए

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार के वक्फ बोर्ड (संशोधन) बिल को लेकर मुस्लिम धर्मगुरुओं और प्रचारकों की एक अहम बैठक राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित हुई है। इसमें केंद्र सरकार के वक्फ बोर्ड बिल को लेकर कई मुस्लिम विद्वानों ने शुक्रवार को कहा कि इससे मुस्लिम समुदाय को लाभ होगा। साथ ही, वक्फ संपत्ति के प्रबंधन और प्रशासन की क्षमता बेहतर होगी। मुस्लिम धर्म के नेताओं की गुरुवार को हुई बैठक के बाद धर्म प्रचारक मोहम्मद कासमिन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के सबसे निचले पायदान पर खड़े लोगों के लिए फैसले ले रहे हैं। वक्फ संपत्तियां पिछड़े हुए मुसलमानों के लिए हैं, लेकिन पिछले 70 सालों में राजनीतिक दलों और कुछ मुस्लिम नेताओं ने वक्फ को लेकर बहुत कुछ गलत किया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित लोगों के लिए यह बिल लाया गया है, ताकि उनकी प्रगति के साथ-साथ देश भी प्रगति करे। उन्होंने कहा कि वह इस विधेयक का समर्थन करते हैं और देश के मुसलमानों से अपील करते हैं कि इसे नकारात्मक दृष्टि से नहीं देखें और इसे पढ़ने के बाद इस पर सवाल जरूर पूछें। उन्होंने कहा कि सौ साल पुराने संगठन जमीयत उलेमा के खुद के भी वक्फ की जमीन पर दो ऑफिस हैं। ऐसे हालात में जमीयत वक्फ बिल का समर्थन क्यों करेगी? धर्मगुरु ताहिर इस्माइल ने कहा कि सरकार की नीयत पर शक नहीं किया जाना चाहिए, जिस तरह से हर जिले में कुछ लोग वक्फ बोर्ड की जमीनों पर कब्जा जमाते जा रहे हैं, उन्हें हटाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीब मुसलमानों को वह जमीन दी जानी चाहिए। इन जमीनों पर अस्पताल और कॉलेज बनाए जाने चाहिए थे, जो नहीं बनाए गए, लेकिन अब ऐसा लगता है कि सब कुछ ठीक होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले वक्फ बोर्ड के अधिकारों का केवल दुरुपयोग किया गया है।

महिलाओं को शामिल करने की हिमायत

मुस्लिम विद्वान नाजिया हुसैन ने कहा कि वक्फ बोर्ड में महिलाओं को शामिल करने की बात कहने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रुख एकदम सही है। वक्फ बोर्ड बिल को जिस तरह से संशोधित किया जा रहा है, वह बहुत अहम है। इस बिल को पास होना चाहिए।

राहुल के खिलाफ छेड़ेंगे अभियान : अठावले

एजेंसी | धर्मशाला(हिमाचल प्रदेश)

केंद्रीय सामाजिक कल्याण एवं न्याय अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने शुक्रवार को धर्मशाला में राहुल गांधी की आदत में ही शुमार है कि वो जब भी इंग्लैंड जाते हैं या फिर अमेरिका जाते हैं तो, भारत के ही खिलाफ बात करते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि भारत में लोकतंत्र नहीं है, अगर ऐसा है तो फिर उनकी 99 सीटें कैसे आ गईं। अगर लोकतंत्र नहीं होता तो क्या राहुल गांधी विपक्ष के नेता बन सकते थे क्या? उन्होंने कहा कि पूरे देश में दलित समुदाय और मेरी रिपब्लिकन पार्टी राहुल गांधी को जूते मारो अभियान शुरू करेगी। अठावले ने कहा कि राहुल गांधी ने जो आरक्षण के संबंध में बयान दिया है, हम उसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। दलित और आदिवासियों के आरक्षण को कोई छीन नहीं सकता और जो छीनने का प्रयास करेंगे, उनका पूरे देश में विरोध किया जाएगा। जाएगी। उन्होंने कहा कि आज भले ही हमारी सीटें कम आई हों, लेकिन विपक्ष फिर सशक्त हुआ है. जो कि लोकतंत्र का ही एक सकारात्मक पक्ष है।

हरियाणा : भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची जारी

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को नहीं मिली जगह, किरण चौधरी का नाम शामिल

एजेंसी | चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। भाजपा की सूची में पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, बबीता फोगाट को भी स्टार प्रचारकों स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है, लेकिन पार्टी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वरिष्ठ नेता प्रोफेसर रामबिलास शर्मा को स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल नहीं किया है। ज्ञात रहे कि पार्टी ने महेंद्रगढ़

विधानसभा सीट से पांच बार कमल खिलाने वाले 73 वर्षीय प्रो. शर्मा का टिकट भी काट दिया है।

ज्ञात रहे कि 2014 के विधानसभा चुनाव में जब भाजपा ने हरियाणा में अपने दम पर पहली बार सरकार बनाई, तब रामबिलास शर्मा ही भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष थे। लेकिन अब उनको पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची में भी जगह नहीं दी है, जबकि पार्टी के 40 स्टार प्रचारकों की सूची में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा में शामिल हुई किरण चौधरी का नाम शामिल है। इसके अलावा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में रह चुके अशोक तंवर को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है। पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में हेमा मालिनी, किरण चौधरी,धर्मबीर सिंह,नवीन जिंदल, अशोक तंवर, मनोज तिवारी, संजीव बालियान, कुलदीप बिश्नोई, राम चंदर जांगड़ा के नाम भी शामिल हैं।

हरियाणा की चुनावी डायरी

केजरीवाल की जमानत व बागी बिगाड़ बदल सकते हैं सियासी समीकरण!

भाजपा और कांग्रेस दोनों के कई नाराज नेता निर्दलीय के रूप में हैं चुनाव मैदान में

एजेंसी | चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा व कांग्रेस के कई नेता पार्टी का टिकट न मिलने निर्दलीयों के रूप में नामांकन दाखिल कर सत्ता में वापसी की दावेदारी कर रही दोनों पार्टियों की मुश्किल बढ़ा दी हैं।

वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत से भी राज्य के चुनवी परिदृश्य में बदलाव आने की संभावना है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में लंबी वार्ता के बाद भी चुनावी गठबंधन नहीं हो सका। आम आदमी पार्टी को कांग्रेस की 5 सीटों की पेशकश मंजूर नहीं हुई और उसने राज्य की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतार दिए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इससे कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

केजरीवाल की रिहाई से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता उत्साहित हैं और अब वे चुनाव में और मजबूती के साथ प्रचार प्रसार में जुटेंगे। वहीं, राज्य में जननायक जनता पार्टी चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और इनेलो मायावती की बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन कर चुनाव मैदान में है। भाजपा भी अकेले अपने बूते पर ही चुनाव मैदान में है।

केजरीवाल हरियाणा में चुनाव प्रचार करेंगे: आप

सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद केजरीवाल जेल से बाहर आ गए हैं। केजरीवाल अब हरियाणा में पार्टी का प्रचार अभियान संभाल सकते हैं। आम आदमी पार्टी (आप) की हरियाणा इकाई के प्रमुख सुशील गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी प्रमुख राज्य में चुनाव प्रचार करेंगे जहां लोग बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं। गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को जमानत देने के उच्चतम न्यायाल के फैसले की सराहना करते हुए कहा, 'हम अब दोगुनी ताकत के साथ चुनाव लड़ेंगे। केजरीवाल जल्द ही हरियाणा में अपना अभियान शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता से बाहर करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोग बदलाव चाहते हैं, वे एक ईमानदार सरकार चुनना चाहते हैं।

काम्बोज हुए कांग्रेस में शामिल

हरियाणा भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रमुख कर्णदेव कम्बोज ने पार्टी का टिकट न मिलने पर हाल ही में अपने सभी पदों से इस्तीफा देने के बाद शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कर्णदेव काम्बोज रादौर या इंद्री सीट से टिकट के दावेदार थे लेकिन पार्टी ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। कम्बोज का कहना है कि भाजपा ने उन लोगों को टिकट दिया जो हाल ही में पार्टी में शामिल हुए थे या दलबदल कर आए थे, जबकि जो नेता वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहे थे, उन्हें मौका नहीं दिया गया। काम्बोज ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान की मौजूदगी में कांग्रेस का हाथ थाम लिया।

सावित्री जिंदल ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन

पूर्व केंद्रीय मंत्री सावित्री जिंदल ने गुरुवार को हिसार सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। सावित्री जिंदल, कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद नवीन जिंदल की मां हैं और देश की सबसे अमीर महिला हैं। उनके इस कदम से भाजपा उम्मीदवार डॉ कमल गुप्ता की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गुप्ता पहले से ही पार्टी के भीतर विद्रोह का सामना कर रहे हैं।

प्रो. संपत सिंह ने बढ़ाई कांग्रेस की मुश्किलें

हरियाणा की नलवा और हांसी विधानसभा सीट में कांग्रेस नेताओं ने भी बगावत का झंडा बुलंद किया है। पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता प्रोफेसर संपत सिंह ने नलवा विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है। प्रोफेसर संपत सिंह पहले हुड्डा गुट में थे, लेकिन चुनाव की घोषणा से पहले, उन्होंने सांसद कुमारी शैलजा के एक कार्यक्रम में भाग लिया था।

जरूरी खबर

थाईलैंड जा रहे विमान को मलेशिया भेजा

मुंबई। इंडिगो की मुंबई से थाईलैंड के फुकेट जा रही उड़ान को खराब मौसम की वजह से शुक्रवार को मलेशिया के पेनांग की ओर परिवर्तित किया गया। विमानन कंपनी ने यह यह जानकारी दी। मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि विमान करीब चार घंटे तक पेनांग में रहा और आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद उसने उड़ान भरी और फुकेट हवाई अड्डे पर उतर गया है। कुछ लोगोंने भी सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से विमान का रास्ता बदले जाने की जानकारी दी। इंडिगो ने बताया, फुकेट में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण, मुंबई से फुकेट जा रही उड़ान 6ई 1701 का रास्ता निकटतम हवाई अड्डे मलेशिया के पेनांग की ओर मोड़ा गया है। यात्रियों को अप्रत्याशित मार्ग परिवर्तन के बारे में पूरी जानकारी दे दी गई है। इस बीच, उनकी सुविधा के लिए जलपान की व्यवस्था की गई है।

अपहृत विमान में थे पिता, जयशंकर कर रहे थे डील

जिनेवा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को रहस्योद्घाटन किया कि 1984 में अपहृत एक विमान में उनके पिता भी थे और उस दौरान वह दोहरी भूमिका निभा रहे थे। एक ओर वह सरकार के अधिकारी के रूप में भूमिका निभा रहे थे तो दूसरी ओर वह उस परिवार के सदस्य की भूमिका में थे, जिसका मुखिया विमान में बंधक बना हुआ था। वह वाकया 24 अगस्त, 1984 का था, जब दिल्ली से श्रीनगर जा रहे विमान का पठानकोट के ऊपर अपहरण कर लिया गया था। बाद में इस विमान को दुबई ले जाया गया था। जयशंकर ने यह बात 1999 में अपहृत विमान आईसी 814 पर आई टीवी सीरीज को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कही।

मिसाइल का एक और सफल परीक्षण

बालेश्वर। डीआरडीओ ने ज शुक्रवार सुबह जमीन से हवा में मार करने वाली घातक मिसाइल वीएलएसआरएसएएम का एक और सफल परीक्षण किया है। लगातार दो दिनों में दो बार अलग-अलग समय में कम दूरी से प्रहार करने वाली मिसाइल के सफल परीक्षण से देश की ताकत में इजाफा हुआ है। इस मिसाइल की खासियत यह है कि यह दुश्मन की रडार की पकड़ में नहीं आती है। यह पलक झपकते ही दुश्मन के किसी भी हवाई खतरे को तहस-नहस करने में कामयाब रहती है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 80 किलोमीटर तक है।

विश्व ओजोन दिवस: जलवायु परिवर्तन पर चर्चा

नई दिल्ली। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने शुक्रवार को नई दिल्ली में 30वें विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। विश्व ओजोन दिवस 2024 का मूल विषय है "मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना" था। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सचिव लीना नंदन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर मंत्रणा शुरू, तैयार होगा रोडमैप

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन का उद्घाटन किया। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा की उभरती चुनौतियों के समाधान के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा। सम्मेलन में सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सुरक्षा से जुड़े अत्याधुनिक तकनीक पर काम करने वाले युवा पुलिस अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन में पूरे देश से 750 से ज्यादा अधिकारी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन को फिजिकल तथा वर्चुअल दोनों ही मोड में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर अमित शाह ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा तैयार किए गए डैशबोर्ड का शुभारंभ किया। इस डैशबोर्ड को पुलिस महानिदेशकों के सालाना कांफ्रेंस में लिए गए फैसलों की अलम पर रियल टाइम जानकारी के लिए बनाया गया है।

NSA डोभाल से चीनी विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात के बाद बीजिंग ने कबूला

गलवान घाटी समेत लद्दाख सीमा पर चार इलाकों से पीछे हटी चीनी सेना

एजेंसी | नई दिल्ली/ बीजिंग

चीन ने शुक्रवार को कहा है कि पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी समेत चार स्थानों पर सैनिकों की वापसी हुई है। इसके साथ ही उसने यह भी कहा है कि भारत और चीन रूस में अपनी बैठक के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए स्थितियां बनाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने बीजिंग में कहा कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने गुरुवार को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रिक्स के उच्च पदस्थ अधिकारियों की बैठक के मौके पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीमा मुद्दों पर हाल में हुई प्रगति पर भी चर्चा की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग से

शुक्रवार को मीडिया ब्रीफ्रिंग के दौरान पूछा गया कि पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से अधिक समय से जमे द्विपक्षीय संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए क्या दोनों देश किसी सफलता के करीब हैं? इस पर चीनी प्रवक्ता ने कहा, दोनों सेनाओं ने चार क्षेत्रों में वापसी की है और सीमा पर स्थिति स्थिर है। माओ ने कहा, 'हाल के वर्षों में दोनों देशों की अग्रिम पंक्ति की सेनाओं ने चीन-भारत सीमा के पश्चिमी क्षेत्र (पूर्वी लद्दाख) में चार क्षेत्रों में वापसी का एहसास किया है, जिसमें गलवान घाटी भी शामिल है। चीन-भारत सीमा की स्थिति आम तौर पर स्थिर और नियंत्रण में है।

यह कहा था विदेश मंत्री जयशंकर ने

चीनी विदेश विभाग के प्रवक्ता का बयान तब आया है, जब एक दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जिनेवा में कहा था कि चीन के साथ 'सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याओं' का लगभग 75 प्रतिशत समाधान हो गया है, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ता सैन्यीकरण है। डोभाल और वांग भारत-चीन सीमा वार्ता तंत्र के लिए विशेष प्रतिनिधि हैं।

एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचें भारत-चीन

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, वांग ने इस बात पर जोर दिया कि अशांत विश्व का सामना करते हुए, दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को स्वतंत्रता पर दृढ़ रहना चाहिए, एकता और सहयोग का चयन करना चाहिए तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। वांग ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष व्यावहारिक दृष्टिकोण के जरिए अपने मतभेदों को उचित ढंग से हल करेंगे, एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने का उचित तरीका ढूंढेंगे तथा चीन-भारत संबंधों को स्वस्थ, स्थिर और सतत विकास के रास्ते पर वापस लाएंगे।

J&K में सुरक्षा बलों का अभियान

कठुआ व किश्तवाड़ में मुठभेड़, दो आतंकी ढेर, 2 जवान शहीद

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार को आतंकियों के साथ दो अलग अलग मुठभेड़ जारी हैं। इनमें सेना के दो जवान शहीद हो गए जबकि दो आतंकियों को ढेर कर दिया गया।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में सेना के चार जवान घायल हो गए हैं। बाद में दो जवानों की मृत्यु हो गई। जिले के अंतर्गत छत्रो पुलिस स्टेशन के नैदघाम गांव के ऊपरी इलाकों में पिंगनल दुगड्डा वन क्षेत्र में तलाशी अभियान में जुटी सुरक्षा बलों की टीमों और वहां छिपे हुए आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई। आतंकियों के बारे में जानकारी के आधार पर सेना ने किश्तवाड़ के चटरू इलाके में जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान जवानों

का सामना आतंकवादियों से हुआ। इसके बाद हुई गोलीबारी में सेना के चार जवान घायल हो गए। घायलों में से एक को इलाज के लिए पास के कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन का स्थानीय स्तर पर इलाज किया जा रहा है। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और ऑपरेशन अभी भी जारी है। वहीं, जम्मू संभाग के कठुआ के खंडारा में भी सेना की आतंकियों से मुठभेड़ हुई। सेना के जवानों ने मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया।

गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति... केंद्र ने बदला एक और नाम

पोर्ट ब्लेयर अब होगा 'श्री विजयपुरम'

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पोर्ट ब्लेयर का नाम बदल दिया है। अंडमान-निकोबार द्वीप की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नया नाम 'श्री विजयपुरम' होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट करके ये जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है। शाह ने एक्स पोस्ट में कहा कि 'श्री विजयपुरम' नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और निकोबार के योगदान को दर्शाता है। इस द्वीप का हमारे देश की स्वाधीनता और इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा है। चोल साम्राज्य में नौसेना अड्डे की भूमिका निभाने वाला यह द्वीप आज देश की सुरक्षा और विकास को गति देने के लिए तैयार है। यह द्वीप नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा सबसे पहले तिरंगा फहराने से लेकर सेलुलर जेल में वीर सावरकर और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के द्वारा मां भारती की स्वाधीनता के लिए संघर्ष का स्थान भी है।

स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा है

पोर्ट ब्लेयर की कहानी ब्रिटिश औपनिवेशिक काल से शुरू होती है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1789 में बंगाल की खाड़ी में रणनीतिक उपस्थिति के लिए यहां बस्ती बसाई थी। पोर्ट ब्लेयर में सेलुलर जेल, जिसे काला पानी के नाम से भी जाना जाता है, इसे 1896 से 1906 के बीच बनाया गया था। इस जेल में स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को रखा गया था।

कोलकाता केस : हड़ताली डॉक्टरों ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

कार्रवाई की जताई आशंका, दखल की मांग

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले को लेकर आंदोलन कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने

सीएम ममता बनर्जी के साथ वार्ता में गतिरोध के बाद अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर हस्तक्षेप करने की मांग की है। डॉक्टरों ने राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र भेजा है। मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों को 12 सितंबर को बातचीत के लिए बुलाया था, लेकिन डॉक्टर मीटिंग

को लाइव स्ट्रीम करने पर अड़ गए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इंतजार करती रह गई थीं। उधर ममता बनर्जी ने डॉक्टरों की हड़ताल राज्य में मारे गए 29 लोगों के परिजनों के लिए 2-2 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है।

पीएम मोदी को भी भेजी पत्र की प्रतिलिपि

जूनियर डॉक्टरों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे अपने चार पन्नों के पत्र की प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को भेजी है। डॉक्टरों ने लिखा है कि कोलकाता कांड के बाद जो घटनाक्रम हुआ है। उसके बाद वे भयभीत में हैं। इसके लिए उन्हें इस स्थिति से बाहर आने का रास्ता दिखाएं। डॉक्टर आशंकित हैं कि राज्य सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। जूनियर डॉक्टरों ने इससे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को हटाने की मांग रखी थी। इसके लिए उन्होंने प्रदर्शन भी किया था।। ज्ञात रहे कि राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा था कि वह प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या से निराश और भयभीत हैं। ज्ञात रहे कि सुप्रीम कोर्ट ने जूनियर डॉक्टरों को काम पर लौटने का आदेश दिया था। सीजेआई की पीठ ने कहा था कि अगर डॉक्टर काम पर नहीं लौटते हैं तो राज्य सरकार उनके खिलाफ एक्शन ले सकती है।

डीआरडीओ और एलएंडटी डिफेंस विकसित कर रहे हैं हल्का टैंक

जोरावर ने ट्रायल में दिखाया दम, जमकर बरसाए गोले

■ मात्र 25 टन वजनी है हल्का टैंक जोरावर ■ सेना की 350 टैंक तैनात करने की है योजना ■ चीन सीमा पर बढ़ाएंगे सेना की ताकत

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को मात्र 25 टन वजनी हल्के टैंक जोरावर का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान टैंक ने निशाने पर जमकर गोले बरसाए और रेगिस्तानी इलाकों में इच्छित उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उसने तय टारगेट पर अपेक्षित सटीकता से निशाना साधा। इसे चीन के साथ सीमा पर सेना की लड़ाकू क्षमता बढ़ाने के लिए विकसित किया जा रहा है। पहाड़ी इलाकों में तैनाती के लिए जोरावर को एक अत्यधिक बहुमुखी प्लेटफॉर्म माना जा रहा है। इसलिए इसको इसी तरह से डिजाइन किया गया है कि इसका हवाई माध्यम से परिवहन किया जा सके। लेकिन, यह न केवल पहाड़ी इलाकों के लिए एक बेहतरीन टैंक है, बल्कि रेगिस्तानी इलाके में भी इसने अपना प्रभाव दिखाया है। रेगिस्तान में किए गए फील्ड परीक्षणों के दौरान जोरावर टैंक ने असाधारण प्रदर्शन किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने टैंक के सफल परीक्षणों को रक्षा प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता के भारत के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

प्रारंभिक परीक्षण का कड़ाई से मूल्यांकन

रक्षा मंत्रालय ने कहा, डीआरडीओ ने 13 सितंबर को जोरावर का सफलतापूर्वक प्रारंभिक परीक्षण किया। टैंक के प्रदर्शन का कठोरता से मूल्यांकन किया गया और इसने सभी निर्धारित लक्ष्यों पर सटीकता के साथ गोले बरसाए। सेना 350 से अधिक हल्के टैंक तैनात करने पर विचार कर रही है। अधिकांश की तैनाती पहाड़ी सीमावर्ती इलाकों में की जाएगी।

गलवान झड़प के बाद LAC पर बढ़ी तैनाती

गौरतलब है कि गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से सेना ने लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। अरुणाचल प्रदेश सहित एलएसी के साथ पहाड़ी क्षेत्रों में आसानी से परिवहन योग्य एम-777 अल्ट्रा लाइट हावित्जर तोपों की तैनाती की है। पूर्वी लद्दाख में टी-90 और टी-72 जैसे भारी टैंक और पैदल सेना के लड़ाकू वाहनों को भी तैनात किया है।

कृभको को 334.12 करोड़ रुपए का कर-पूर्व लाभ

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत की प्रमुख उर्वरक उत्पादक सहकारी समिति, कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए 334.12 करोड रुपए का कर-पूर्व लाभ अर्जित किया। सोसायटी ने वर्ष के लिए अपनी इक्विटी पूंजी पर 20% लाभांश धोषित किया है। नई दिल्ली में गुरुवार को आयोजित 44वीं वार्षिक आमसभा के दौरान सोसायटी के वार्षिक खातों को मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता कृभको के अध्यक्ष डॉ चंद्रपाल सिंह ने की। आमसभा में देश भर से विभिन्न सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कृभको ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 में उल्लेखनीय उत्पादन

आंकडे हासिल किए जिसमें यूरिया उत्पादन 23.35 लाख मीट्रिक टन और अमोनिया उत्पादन 13.88 लाख मीट्रिक टन था जिससे क्रमशः 106.4% और 111.32% क्षमता उपयोग हुआ

कृभको के प्रबंध निदेशक, एम. आर. शर्मा ने सभा को कृभको ओर उसकी सहायक कंपनियोंद्वारा बनाए गए उत्पादन और परिचालन दक्षता के निरंतर उच्च मानको के बारे में जानकारी दी।

स्व धर्म साधना शिविर में उत्तम संयम धर्म पर अर्हं योग और ध्यान कराया

जैन धर्म कहता है शास्त्रों के अनुसार ही बने हैं इस संसार के सभी प्राणी

बेधड़क.जयपुर। अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर के सानिध्य में उत्तम संयम धर्म मनाया गया। इस मौके पर मुनि के सानिध्य में चल रहे 10 दिवसीय स्वधर्म शिविर के छठे दिन उत्तम संयम धर्म की पूजा की गई। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया व मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इससे पहले उत्तम संयम धर्म पर अर्हं योग व ध्यान कराया गया। मुनि ने तत्वार्थ सूत्र के छठें अध्याय का प्रारम्भ करते हुए कहा कि यह सभी ग्रहस्थों को यह अध्याय जरूर पढ़ना चाहिए। इस अध्याय के 27 सूत्रों में आस्त्रव के कारण उनकी तीव्रता, भन्दना, अजीव व जीव अधिकरण के भेद, साता व असाता वेदनीय आस्त्रव के कारण, दर्शन चारित्र-मोहनीय चारित्र के बारे में बताया गया है। अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज का, जिनके सानिध्य में उत्तम संयम धर्म मनाया गया। इस मौके पर मुनिश्री के सानिध्य में चल रहे 10 दिवसीय स्वधर्म शिविर के छठे दिन उत्तम संयम धर्म की पूजा की गई। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया व मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इससे पहले उत्तम संयम धर्म पर अर्हं योग व ध्यान कराया गया।

मुनि के पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट

संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन के अनुसार शिविर में तत्वार्थ सूत्र का विधान प्रारंभ हुआ। मुनि ने कहा कि आज हर दार्शनिक कहता है कि मनुष्य शास्त्रों के अनुसार नहीं बना है, लेकिन जैन धर्म कहता है संसार के सभी प्राणी शास्त्रों के अनुसार ही बने हैं। इस मौके पर 1500 से अधिक ने अर्घ्य समर्पित किए। इससे पूर्व अजय, विजय, संजय कटारिया परिवार द्वारा धर्म सभा का दीप प्रज्वलन व मुनि के पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट किए गए। प्रश्न मंच, आरती, प्रतिक्रमण पाठ के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

इन्होंने की सहभागिता

इस मौके पर समिति वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाड़ा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन राजभवन वाले, संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, अरुण श्रीमाल, एडवोकेट राजेश काला, अशोक गोधा, अशोक छाबड़ा, विजय झांझरी आदि ने सहभागिता की।

उत्तम तप धर्म आज

अब शनिवार को उत्तम तप धर्म मनाया जाएगा। सुबह 5:30 से 7 बजे तक अर्हं योग ध्यान, 7 बजे से श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा, तत्वार्थ सूत्र विधान होगा। प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। दोपहर 1:30 बजे से धर्म की कक्षा, तत्वार्थ सूत्र प्रवचन, दशम धर्म कक्षा, प्रश्न मंच, आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि होंगे।

विदेश में फहराएंगे भारतीय कला का परचम

हिंदी दिवस पर म्यूजिक फेस्टिवल विदेश में गूजेंगे जयपुर के सुर

बेधड़क. जयपुर। फ्रांस के लिगुइल शहर में हिंदी दिवस पर होने वाले परकशन (तालवाद्य) पर्क्यू फोलीज म्यूजिक फेस्टिवल में जयपुर के सुर गूंजेंगे। जयपुर बेस्ड इंटरनेशनल आर्टिस्ट टीपू खान की लोक-संस्कृति पर आधारित संगीतमय प्रस्तुति वहां होगी। इस दौरान देश-विदेश के कलाकार प्रस्तुतियां देंगे, वहीं टीपू तबले की तिरकिट-धिरकिट और राजस्थानी मांड को सुरीले कंठों में सजाकर विदेशी पावणों को राजस्थान आने का न्यौता देंगे। विश्व पटल पर संगीत के जरिए अमिट छाप छोड़ने वाले जयपुर के टीपू फ्रांस गवर्नमेंट की ओर से आयोजित फेस्टिवल में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका कार्यक्रम शनिवार को भारतीय समय अनुसार शाम 7 बजे से होगा। फेस्टिवल में टीपू गायन के साथ तबला वादन और फ्यूजन संगीत का अनूठे अंदाज में प्रदर्शन करेंगे। टीपू अपने संगीत के खानदानी परिवार की 7वीं पीढ़ी के कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने मात्र 6 साल की उम्र से ही संगीत सीखना शुरू किया था। उनके पहले गुरु दादा उस्ताद रसूल खां और पिता उस्ताद रफीक मोहम्मद है। वे ने पिछले 15 साल में फ्रांस, इटली, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, बेल्जियम, हांगकांग, स्पेन, यूरोप सहित करीब 90 देशों में कला के झंडे गाड़ चुके हैं। टीपू को भारत के पीएम नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति के अलावा भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के समक्ष कला का प्रदर्शन करने का मौका मिला है।

उपायुक्त शर्मा का किया अभिनंदन

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान ब्राह्मण महासभा की शास्त्री नगर इकाई नगर निगम जयपुर हेरिटेज के सिविल लाइन जोन में उपायुक्त पदभार ग्रहण करने पर आरएमएस अधिकारी राकेश कुमार शर्मा का स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान ब्राह्मण महासभा शास्त्री नगर अध्यक्ष एस के शर्मा, महामंत्री संजीव गौड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीडी शर्मा, नरेंद्र सिखवाल, कार्यकारिणी सदस्य अवधेश शर्मा, राजीव शर्मा, नरेंद्र चतुर्वेदी, नरेश चतुर्वेदी, सतीश शर्मा और विद्याधर नगर इकाई अध्यक्ष रविशंकर शर्मा ने जोन उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा का माला और साफा पहना कर स्वागत किया। इस दौरान सिविल लाइन जोन के शास्त्री नगर क्षेत्र की वर्तमान समस्याओं के बारे में भी सार्थक चर्चाएं की गईं। उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा ने सभी पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया। इस मौके पर सभी ने अपने अनुभव शेयर करते हुए राजस्थानी अंदाज में स्वागत कार्यक्रम को सम्मपन्न किया।

City इवेंट्स

मीरा बाई के पदों का प्रशिक्षण

बेधड़क. जयपुर। संगीत नाटक अकादेमी दिल्ली की ओर से मीरा बाई की 500वीं जयंती पर कार्यक्रम 'कला धरोहर' में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान जयपुर डागर घराने के प्रतिनिधि रहे ध्रुवपदाचार्य स्वर्गीय पद्मश्री पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग की शिष्य ध्रुवपद गायिका प्रोफेसर डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने सहयोगियों के साथ मीरा पदों के स्वर, ताल और लय का प्रशिक्षण दिया। स्वर व लय कोसाधने के खेल सिखाए व पदों में उपयोग में आने वाली तालें सूलताल कहरवा तीव्रा आदि भी हाथ से लगाना सिखाया। इसमें राग भूपाली ताल सूलताल में चालो मन गंगा जमुना तीर, राग नंद कहरवा ताल में पग घूंघरू बांध मीरा नाची रे, राग खमाज ताल कहरवा में पायो जी मैंने राम रतन धन पायो, आदि रचनाओं का रोचक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के अंत में सीखे हुए सबक का प्रशिक्षणार्थियों ने प्रदर्शन किया। तानपूरा पर दीपिका कुमावत व पखावज पर ऐश्वर्य आर्य ने संगत दी। समापन समारोह में सभी कलाकारों का सम्मान किया गया।

टूरिज्म सेक्रेटरी ने किया VM का दौरा

बेधड़क. जयपुर। टूरिज्म सेक्रेटरी रवि जैन ने अपनी टीम के साथ नाहरगढ़ स्थित वेक्स म्यूजियम में विजिट किया। इस मौके पर म्यूजियम के फाउंडर-डायरेक्टर अनूप श्रीवास्तव ने जैन के साथ सभी गेस्ट को वेक्स म्यूजियम के बारे में जानकारी दी और वहां मौजूद स्टेच्यू आदि की विजिट कराई। साथ ही इस मौके पर म्यूजियम के लिए बनाई जाने वाली आगामी योजनाओं के बारे में भी बताया।

समाज उत्थान के लिए मांगेंगे सुझाव

बेधड़क. जयपुर। श्रीमाथुर चतुर्वेदी महापरिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया। महापरिषद राष्ट्रीय सभापति नीरज चतुर्वेदी ने बताया कि इस दौरान कई निर्णय हुए, जिसमें आगरा से एक संवाद यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा कानपुर, लखनऊ, इलाहाबाद और बनारस जाकर समाज बंधुओं से समाज उत्थान के लिए सुझाव लेगी। राष्ट्रीय पदाधिकारी प्रभारी क्षेत्रों का दौरा कर सदस्यता अभियान बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने का प्रयास करेंगे। अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में सुकन्या सुरक्षा निधि कलश से ऐसी बालिकाओं के उत्थान का कार्य हाथ में लिया गया है, जिनके पिता कोरोना में काल का ग्रास बने। समाज ऐसी बालिकाओं को गोद लेकर उनके अध्यापन से लेकर विवाह तक की जिम्मेदारी लेगा।

कीर्तन और नाटक से भक्तिमय हुई छोटी काशी

महिलाओं ने गोविंददेव जी से राधा दामोदरजी तक निकाली चाव यात्रा

बेधड़क | जयपुर

राधा अष्टमी समारोह के तहत महिलाओं ने चाव यात्रा निकाली। इसमें उपहारों से भरी चाव लेकर महिलाएं गोविंददेव जी के दरबार में पहुंची। यहां पर दर्शन करने के बाद राधा दामोदरजी के मंदिर तक चाव यात्रा निकाली। समारोह में शुक्रवार सुबह अभिषेक के साथ कीर्तन का आयोजन किया गया तो भक्तों ने भावपूर्ण भक्ति की। हर कहीं जयकारें लगाए गए और भक्ति नृत्य में लोग लीन हो गए। इस दौरान बड़ी संख्या में जयपुराइट्स शामिल हुए। बता दें कि समारोह में पिछले एक सप्ताह से विभिन्न धार्मिक उत्सवों का आयोजन किया गया।

राधा-गोविंद देवजी मंदिर में वृंदावन के कीर्तनकार गोलोक नाथ दास द्वारा कीर्तन प्रस्तुत किया गया, भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। चाव यात्रा का आयोजन हुआ, जिसमें कई महिलाओं ने चाव के साथ उपहारों से भरी चाव को लेकर मंदिर से भगवान गोविंद देवजी के दर्शन करते हुए राधा दामोदरजी के मंदिर तक की यात्रा की। यह यात्रा चोड़ा रास्ता से होते हुए सम्पन्न हुई। साथ ही कीर्तन, कथा और नाटक प्रस्तुत किए गए, जिसमें भक्तों ने धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद लिया। साथ ही जयपुर सहित आस-पास से आए भक्तों को प्रसादी वितरित की गई।

गोपीजी भट्ट स्मृति संगीत नाट्य समारोह में नाटक का मंचन

'एक अजीब दास्तां' में कलाकारों ने खोली अर्थव्यवस्था की पोल

बेधड़क | जयपुर

कलाकारों ने रवींद्र मंच पर शुक्रवार को अर्थ व्यवस्था की जमकर पोल खोली। उन्होंने बताया कि किस तरह से कुछ चालाक लोगों ने धर्म को अपने बिजनेस का जरिया बना लिया है।

मौका था जयपुर की तमाशा शैली और शास्त्रीय संगीत के कलाकार स्व. गोपी भट्ट की याद में रवींद्र मंच के स्टूडियो थिएटर में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय समारोह के शुभारंभ का। समारोह की शुरुआत अर्थवस्था की पोल खोलते नाटक 'एक अजीब दास्तां' से हुई। नाटक में दिखाने का प्रयास किया गया कि चंट चालाक लोगों ने धर्म का व्यापार शुरू कर दिया है। आस्था और विश्वास के खाली नकली उपदेश देकर हजारों लोगों की भावनाओं से खेल रहें हैं। जैसे आश्रम इनकी दुकान है और संत व्यापारी और हमारे जैसे भोले लोग ग्राहक हैं। इन लोगो ने नकली ईश्वर को इजाद कर लिया है और हम उन नकली ईश्वर के प्रेम में पागल हो रहे हैं।

नाटक में आरोपी कहना चाहता है कि उसने ईश्वर की हत्या की है। नाटक में मुख्य अतिथि जगदीश प्रसाद शर्मा, विनोद जोशी और भाग चंद गुर्जर रहे। वहीं, कलाकार मनीषा अग्रवाल, गौरव खंडेलवाल और महेश महावर ने अभिनय किया।

कार्यक्रम श्रीदिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी ज्योति नगर में दिन भर चले धार्मिक आयोजन

सुगंध दशमी पर साज बाज के संग विधान मंडल पूजन

बेधड़क | जयपुर

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में दस लक्षण महापर्व महोत्सव में संयम धर्म की पूजा के बाद सुगंध दशमी विधान पर भक्ति भाव से पूजन किया गया।

सुबह विधान मण्डल पाण्डुशीला पर शान्तिधारा करने का सौभाग्य चन्द्र प्रभा शाह परिवार को व सतीश सोनिया जैन परिवार को तथा वेदी पर कैलाश बिंदायक्या, महावीर पाटनी व धन कुमार जैन को मिला। इस मौके पर बड़ी संख्या में जयपुर के भक्त शामिल हुए और जयकारे लगाए।

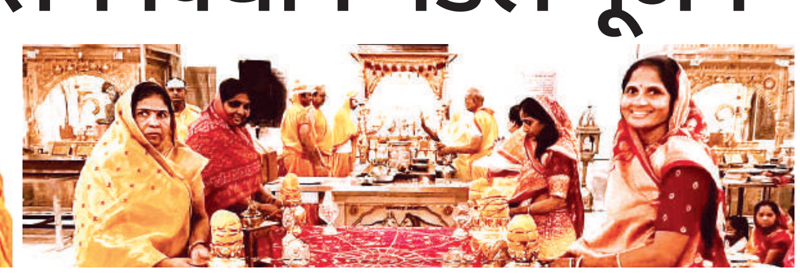

संयम धर्म विधान पूजन में आए भक्त

नित्य पूजन व संयम धर्म विधान पूजन शिखर चन्द किरण जैन द्वारा साज बाज के साथ कराते हुए समझाया कि संयम रूपी रत्न को संभाल कर रखना चाहिए। सभी ने संयम धर्म के 108 जाप किए। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि दिन में सुगंध दशमी के उपवास करने वाली सोनिया जैन, आरती पाटनी, ज्योति जैन, शिमला कासलीवाल व पिंकी वैद द्वारा व्रत उद्यापन पर विधान मंडल पर साज बाज के साथ पूजन की गई। विधान पंडित अजीत शास्त्री द्वारा संपन्न कराया गया। सूत्र की क्लास में छठे अध्याय का अध्ययन किया गया तथा शाम को आरती के बाद अष्ट कर्म दहनाय धूपम् निर्वामिति स्वाहा बोलते हुए धूपदानों में धूप खेवन की गई।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, शनिवार, 14 सितंबर, 2024

दुनिया की कोई भी परेशानी आपके साहस से बड़ी नहीं है।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

बोइंग के 30,000 कर्मचारियों ने की हड़ताल पर जाने की घोषणा

वाशिंगटन। दुनिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग के 30,000 से ज्यादा कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। कुछ ही दिनों पहले बोइंग प्रबंधन और उनकी सबसे बड़ी यूनियन के बीच एक अस्थाई समझौता हुआ था, हड़ताल टालने के लिए 4 साल में 25% वेतन वृद्धि की खबरें आईं। हालांकि अब कर्मचारियों की ओर से हड़ताल का ऐलान कर दिया गया। ऐसे में हड़ताल से बोइंग की मौजूदा मुश्किलें और बढ़ेंगी, क्योंकि कंपनी लगातार छठे साल वित्तीय घाटे की ओर बढ़ रही है और उसने हाल ही में अपनी चुनौतियों से निपटने के लिए एक नए सीईओ की नियुक्ति की है।

विध्वंसक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप

जासूसी के आरोप में 6 ब्रिटिश राजनयिकों की मान्यता रद्द

एजेंसी | मॉस्को

ब्रिटेन के छह राजनयिकों को रूस ने अपने यहां से निष्कासित कर दिया। जासूसी और विध्वंसकारी गतिविधियों में लिप्त रहने का आरोप लगाते हुए यह कदम उठाया गया है। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी 'तास' की खबर में देश की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) के हवाले से यह जानकारी दी गई। तास ने अपनी वेबसाइट में निष्कासित किए गए इन राजनयिकों के फोटो भी समाचार के साथ अपलोड किए हैं।

रूस की संघीय सुरक्षा सेवा के प्रेस कार्यालय ने कहा है कि मॉस्को में यूके दूतावास के छह राजनयिकों की खुफिया और विध्वंसक गतिविधियों में शामिल होने की वजह से मान्यता छीन ली गई है। प्रेस कार्यालय ने कहा है कि उसे ऐसे दस्तावेज मिले हैं जो दर्शाते हैं कि इनका मुख्य उद्देश्य रूस को रणनीतिक हार दिलाना है। दस्तावेजों से साफ है कि रूस और कुछ देशों में विध्वंसक गतिविधियों का समन्वय करने वाली मुख्य इकाई ब्रिटेन के विदेश कार्यालय का पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया निदेशालय है। इसे यूक्रेन में सैन्य अभियान की विशेष सेवा में बदल दिया गया है। ब्रिटेन का यह गैर दोस्ताना कदम है। ब्रिटेन के इन राजनयिकों की गतिविधियां रूस की सुरक्षा के लिए खतरा मानने का पर्याप्त आधार हैं। भविष्य में यूके राजनयिक मिशन के कर्मचारियों की इसी तरह की हरकत सामने आती है तो एफएसबी रूस में ब्रिटेन की व्यावसायिक गतिविधियों को समाप्त करने की मांग करेगा।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियां चरम पर

अब कमला हैरिस के साथ बहस नहीं करना चाहते ट्रंप

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियां चरम पर हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि वे 5 नवंबर के चुनाव से पहले उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ किसी और बहस में हिस्सा नहीं लेंगे। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि हैरिस द्वारा एक और बहस के लिए गुजारिश करने से संकेत मिलता है कि वह अपनी बहस हार चुकी हैं और अब वह अपनी स्थिति सुधारने के लिए दूसरा मौका चाहती हैं।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा कि मतदान सर्वेक्षणों से साफ है कि डेमोक्रेट्स की कट्टरपंथी वामपंथी उम्मीदवार कॉमरेड कमला हैरिस के खिलाफ बहस जीती है और उन्होंने तुरंत दूसरी बहस के लिए कहा। अब कोई तीसरी बहस नहीं होगी।

अपने पिछले मुकाबलों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि जून में राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ पहली बहस हुई, उसके बाद कमला हैरिस के साथ बहस हुई। डोनाल्ड ने अपनी जीत का सुझाव देने वाले अनाम सर्वेक्षणों का हवाला दिया, जबकि मुख्यधारा के मीडिया आउटलेट द्वारा किए गए सर्वे में एक अलग कहानी बताई जा रही है। एक सर्वे में पाया गया कि 63 फीसदी दर्शकों का मानना था कि हैरिस जीत गईं, जबकि 37 फीसदी ने ट्रंप का पक्ष लिया। इसी तरह एक अन्य सर्वे ने संकेत दिया कि 43 फीसदी लोगों ने सोचा कि हैरिस ने ट्रंप से बेहतर प्रदर्शन किया है, 28 फीसदी ने पूर्व राष्ट्रपति का समर्थन किया और 30 फीसदी ने बीच का रास्ता चुना।

कमला हैरिस बोलीं-ट्रंप से हमारी एक और प्रेसिडेंशियल डिबेट हो

वहीं, दूसरी ओर डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मतदाताओं के प्रति हमारा यह दायित्व है कि हम एक और बहस करें। इससे पहले कमला की प्रचार टीम ने भी पहली बहस में जीत का दावा किया। उनकी टीम की ओर से कहा गया कि उपराष्ट्रपति कमला ने अमेरिकी लोगों के लिए महत्वपूर्ण हर मुद्दे को लेकर मंच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। डिबेट में ट्रंप हार गए और वो उनसे जीत गईं।

हैरिस ने जुटाया 47 मिलियन डॉलर का फंड

कमला हैरिस ने बहस के बाद बने माहौल का फायदा उठाते हुए दावा किया कि बहस के 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने 47 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटा लिए थे। हैरिस द्वारा अपनी उम्मीदवारी के ऐलान के बाद से यह सबसे मजबूत फंडरेजिंग परफॉर्मेंस है। इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप के साथी उम्मीदवार जेडी वेंस 1 अक्टूबर को न्यूयॉर्क में डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज के साथ बहस करने वाले हैं।

ट्रंप और हैरिस के बीच हुई थी तीखी नोक-झोंक

दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र वाले देश अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। चुनावी मुकाबला वहां की दो प्रमुख पार्टियों डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों के बीच है। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनावी मैदान में हैं। पिछले दिनों दोनों के बीच अमेरिकन पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया में प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई थी। इस प्रेसिडेंशियल डिबेट में डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच खूब तीखी नोक-झोंक हुई।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को घेरा तो दो को मारी गोली

अपने ही साथी को मारकर भागे दहशतगर्द

एजेंसी | लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में डेरा गाजी खान-क्वेटा रोड पर काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के जवानों से घिरे दो फितना अल-ख्वारिज आतंकवादियों को उनके साथियों ने गोली मार दी।

साथियों की जान लेने के बाद भाग गए। सीटीडी के एक प्रवक्ता के अनुसार, यह दोनों आतंकवादी मौके पर ढेर हो गए। सीटीडी ने आतंकियों के ठिकाने से एक हैंड ग्रेनेड और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह पहली बार नहीं है जब आतंकियों ने अपने ही किसी साथी की हत्या की हो। इससे पहले अगस्त में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के एक वांछित आतंकवादी को उसके ही साथी ने मार डाला था।

सीटीडी ने मुल्क में आतंकवाद पर अंकुश लगाने के सरकार के प्रयासों के मद्देनजर राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी अभियान 'ऑपरेशन आजम-ए-इस्तेहकम' शुरू किया है।

भारतीयों की संख्या में 60-70% की गिरावट

अब बहुत कम लोग जा रहे बांग्लादेश

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद से ढाका और दिल्ली, कोलकाता और मुंबई जैसे प्रमुख भारतीय शहरों के बीच हवाई यात्रियों की संख्या में लगभग 60 से 70 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। ढाका ट्रिब्यून ने कहा कि यात्रियों की संख्या में इस गिरावट ने ढाका और नई दिल्ली के बीच आर्थिक आदान-प्रदान पर प्रभाव के बारे में हितधारकों के बीच चिंता पैदा कर दी है।

गौरतलब है कि पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद भारत ने कुछ समय के लिए वीजा सेवाएं बंद कर दीं। हालांकि वीजस सेवाएं काफी हद तक बहाल कर दी गई हैं लेकिन उन्हें प्रतिबंधित आधार पर प्रदान किया जा रहा है।

वीजा आवेदनों को किया गया अस्वीकार

ढाका में भारतीय आव्रजन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि भारत सरकार अब केवल चिकित्सा और छात्र आधार के लिए वीजा प्रदान करती है। कई वीजा आवेदनों को अस्वीकार कर दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप यात्रा और व्यवसाय से संबंधित यात्रियों की संख्या कम हो गई है।

सुरक्षा उपायों के कारणों से भारत की उड़ानों में कमी

एयरपोर्ट एविएशन सिक्योरिटी (एवीएसईसी) के एक अधिकारी के मुताबिक, बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपायों को काफी मजबूत किया गया है। इसमें कई स्थानों पर जांच शामिल है। अनापत्ति पत्र (एनओसी) के सत्यापन और कॉर्पोरेट और वित्तीय क्षेत्र के यात्रियों की व्यापक निगरानी जैसे बढ़ते सुरक्षा उपायों के कारण कई लोगों ने भारत की उड़ानों को नहीं लेना चाह रहे। बांग्लादेश हवाई अड्डे के सूत्रों के मुताबिक इसके परिणामस्वरूप यात्रियों की संख्या में कमी आई है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl